दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-32 सीहोर,बुधवार 18 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बच्चों को पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलना जरूरी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (ए.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश के भविष्य हमारे बच्चे हैं और उन्हें पौष्टिक भोजन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रपति मुर्मु ने मंगलवार को अक्षय पात्र

फाउंडेशन द्वारा पांच अरब भोजन परोसने की उपलब्धि के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों को बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। पीएम पोषण के तहत चल रहा स्कूल मध्याह्न भोजन कार्यक्रम अभिभावकों के लिए बच्चों को स्कूल भेजने का एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन साबित हुआ है। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि इस योजना से बच्चों के नामांकन, उपस्थिति और स्कूल में टिके रहने की दर में वृद्धि हुई है, साथ ही उनकी सीखने की क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है।राष्ट्रपति ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन 'समग्र शिक्षा अभियान' के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक सभी बच्चों को समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उन्होंने पांच अरब भोजन उपलब्ध कराने की उपलब्धि को सराहनीय बताते हुए कहा कि कार्यक्रम की थीम 'पोषित और शिक्षित भारत से विकसित भारत' हमारे राष्ट्रीय संकल्प 'विकसित भारत 2047' को साकार करने में पोषण और शिक्षा की अहम भूमिका को दर्शाती है।

इजरायल ने ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लरीजानी की हत्या का किया दावा

तेल अवीव(ए.)-ईरान की सुरक्षा रणनीति का नेतृत्व करने वाले और संघर्ष के दौरान तेहरान का चेहरा रहे अली लरीजानी के मारे जाने का दावा इजरायल ने किया है, लेकिन लरिजानी के ऑफिस से इस दावे के बाद कहा गया है कि जल्द ही उनका वीडियो संदेश प्रसारित किया जाएगा। इससे पहले इजरायल की तरफ से कहा गया था कि लरिजानी इजरायली हमलों में मारे गए। इजरायल के रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज़ ने मंगलवार को यह जानकारी दी थी और कहा था कि ईरानी नेतृत्व और भी कमजोर हो गया है, जिसने हमलों के पहले ही दिन सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को पहले ही खो दिया था। उनके उत्तराधिकारी मुज्तबा खामेनेई भी कोमा में बताए जा रहे हैं और गंभीर रूप से घायल हैं। एक अन्य शीर्ष कमांडर गुलामरेज़ा सुलेमानी सोमवार रात इजरायली हवाई हमलों में मारे गए थे। इजरायल के दावों की सच्चाई अबतक साबित नहीं हो पाई है।

एपस्टीन नेटवर्क को लेकर दी थी चेतावनी

ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा की हालत के बारे में कोई खोज खबर नहीं मिल रही थी, इसके कारण, अली लरीजानी ईरान में दूसरे नंबर के नेता बन गए थे और अंतरिम परिषद के साथ मिलकर संकटग्रस्त देश को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। यह घटनाक्रम ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव लरीजानी द्वारा यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के नेटवर्क के सदस्यों द्वारा ईरान को फंसाने के लिए 9/11 जैसी घटना की साजिश की चेतावनी देने के एक दिन बाद सामने आया है।

ईरान के खिलाफ युद्ध में किसी ने नहीं दिया साथ, आखिरकार हार कर बोले ट्रंप, हमें किसी की मदद की जरूरत नहीं है!

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिका के ईरान पर हमला करने के बाद जारी युद्ध को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप ने नाटो देशों सहित चीन, रूस, जापान सबसे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का रास्ता खोलने के लिए मदद की गुहार लगाई थी। लेकिन सबने मदद करने से मना कर दिया। अब ट्रंप ने कहा है, मुझे किसी की मदद की जरूरत नहीं है।ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को हमला कर दिया था और तब से खाड़ी में युद्ध जारी है। ईरान भी अमेरिका और इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई ने स्ट्रेट ऑफ होर्मूज बंद कर दिया है। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगी नाटो देश और रूस, चीन और जापान से मदद मांगी थी। लेकिन नाटो देश सहित सबने अमेरिका को मदद देने से इनकार कर दिया है।

राज्य में बना है औद्योगिक विकास का अनुकूल वातावरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

12 इकाईयां देंगी 12 हजार जरूरतमंदों को रोजगार

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई निवेश संवर्धन संबंधी मंत्रि-परिषद समिति सीसीआईपी की बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बैठक में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रस्ताव पर उद्योग संवर्धन नीतियों के प्रावधानों के साथ ही नीति से अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करने पर भी सैद्धांतिक अनुमोदन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2025 में उद्योग और रोजगार वर्ष के अंतर्गत हुई गतिविधियां राज्य में नए निवेश को लाने में कारगर सिद्ध हुई हैं। बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। पूरे राज्य में औद्योगिक विकास का अनुकूल वातावरण बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग संवर्धन नीति के प्रावधानों का पूरा लाभ औद्योगिक इकाइयों को देने के निर्देश दिए। बैठक में जिन इकाइयों के निवेश प्रस्तावों पर चर्चा हुई। उनमें मेसर्स पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्रा.लि., मेसर्स पिनेकल मोबिलिटी सॉल्यूशन्स प्रा.लि., मेसर्स ट्राइडेंट लि., अंबुजा कंक्रीट नॉर्थ प्रा.लि., अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजी लि., बालाजी वेफर्स प्रा.लि., बारमॉल्ट मॉल्टिंग इंडिया प्रा.लि., एसीसी लि., एलेंबिक फार्मास्युटिकल्स लि., रॉलसर टायर लि. एवं दौलतराम एन.आर.ई.सी. लोकोमोटिव्स शामिल हैं। इन इकाइयों की स्थापना से लगभग 12 हजार व्यक्तियों को रोजगार सुलभ होगा।

सीहोर और शिवपुरी जिलों में होगा ट्राइडेंट और अदाणी डिफेंस के प्रस्तावों पर क्रियान्वयन

बैठक में जानकारी दी गई कि मेसर्स ट्राइडेंट लि. द्वारा सीहोर जिले में टेरी टॉवेल निर्माण की नई इकाई की स्थापना प्रस्तावित है। करीब 1190 करोड़ के निवेश प्रस्ताव से 3 हजार व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा। कंपनी द्वारा सीहोर जिले में ही एक बेड शीटिंग निर्माण इकाई भी प्रस्तावित है, जो करीब एक हजार करोड़ रूपए की लागत से स्थापित होगी। इससे 2800 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त होगा। इसी तरह अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजी लि. द्वारा शिवपुरी जिले में रक्षा उत्पादन क्षेत्र में 2145 करोड़ रूपए का निवेश किया जाएगा।

पैदा हुए और गोद लिए गए बच्चे में कोई अंतर नहीं, महिलाओं को मातृत्व अवकाश से वंचित रखना असवैधानिक

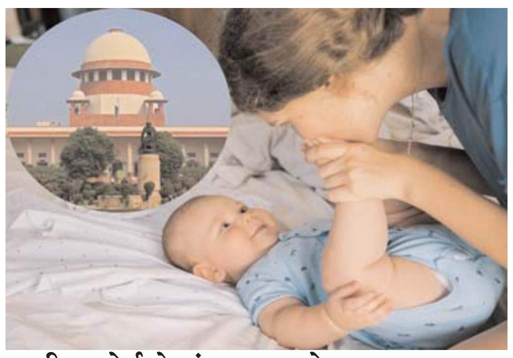

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसला सुनाकर व्यवस्था दी

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसला सुनाकर व्यवस्था दी है कि किसी महिला के गर्भ (कोख) से पैदा हुए बच्चे और गोद लिए गए बच्चे में कोई अंतर नहीं होगा। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा कि तीन माह से अधिक उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिलाओं को मातृत्व अवकाश से वंचित करना असंवैधानिक है। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि ऐसी महिलाओं को भी 12 सप्ताह का मातृत्व अवकाश मिलना चाहिए।जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि मातृत्व संरक्षण का उद्देश्य इस बात पर निर्भर नहीं करता कि बच्चा परिवार में कैसे आया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जो महिलाएं बड़े बच्चे को गोद लेती हैं, वे भी उसी स्थिति में हैं, जैसे कोई महिला तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेती हैं।

पीठ ने कहा, हालांकि, पारंपरिक रूप से रिश्तेदारी को समझने का मुख्य आधार जीव विज्ञान (बायोलॉजी) रहा है, लेकिन गोद लेना भी परिवार बनाने का उतना ही सही तरीका है।

लोकसभा में विपक्ष के 8 सदस्यों का निलंबन वापस लिया गया

नई दिल्ली,(ए.)। लोकसभा ने मंगलवार को विपक्ष के आठ सदस्यों का निलंबन वापस ले लिया।केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सदन में यह प्रस्ताव पेश किया, जिसका ध्वनिमत से सभी ने एकमत होकर समर्थन किया।लोकसभा में बजट सत्र के पहले चरण में 3 फरवरी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नहीं बोलने देने के खिलाफ विपक्षी सदस्यों ने आसन के सामने आकर भारी विरोध प्रदर्शन किया था। उस संदर्भ में सदन की कार्यवाही में बाधा डालने और हंगामा करने के आरोप में 8 विपक्षी सांसदों को बजट सत्र के शेष भाग के लिए निलंबित किया गया था।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सोमवार को सभी दलों के नेताओं संग हुई बैठक में इस मुद्दे को लेकर पक्ष-विपक्ष में चल रही तनातनी का हल निकालने के लिए इन सदस्यों का निलंबन खत्म करने पर यह सहमति बनी थी। इन सदस्यों में सर्वश्री गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, एडवोकेट डीन कुरियाकोस, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, बी. मणिक्कम टैगोर, डॉ. प्रशांत यादवराव पाडोले, चामला किरण कुमार रेड्डी और एस. वेंकटेशन थे।

रील के चक्कर में गई युवक की जान, चचेरे भाई की पिस्टल से खुद को मारी गोली

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी के पूर्वी दिल्ली इलाके में रील बनाने के चक्कर में एक युवक को गोली लग गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार दिल्ली के दल्लुपुरा इलाके में सोशल मीडिया पर स्टंट और वीडियो बनाने के चक्कर में एक युवक ने अनजाने में खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचे और मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान पवन के रूप में हुई है। घटना के वक्त पवन अपने चचेरे भाई के साथ बैठा हुआ था। बताया जा रहा है कि पवन का भाई अपनी लाइसेंसी पिस्टल के साथ वीडियो बना रहा था।

शर्मनाक करतूतः पाकिस्तान ने आतंकी बताकर 400 मरीजों और आम लोगों की कर दी हत्या

काबुल,(ए.)। अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां नशा मुक्ति केंद्र के रूप में संचालित एक अस्पताल पर हुए हवाई हमले में मरने वालों का आंकड़ा

बढ़कर 400 हो गया है। अफ़गान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने मंगलवार सुबह पुष्टि की कि सोमवार देर रात हुए इस हमले ने 2,000 बेड की क्षमता वाले उमर एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल के एक बड़े हिस्से को मलबे में तब्दील कर दिया है। इस हमले में लगभग 250 अन्य लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि बचाव दल अभी भी इमारत में लगी आग बुझाने और मलबे से शवों को निकालने के कार्य में जुटे हुए हैं।पाकिस्तानी पक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें झूठा और गुमराह करने वाला करार दिया है। पाकिस्तान का दावा है कि उसने केवल काबुल और नंगरहार प्रांत में स्थित सैन्य ठिकानों और आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया था।

ईरान-इजराइल युद्ध एलपीजी संकट के बाद अब पेट्रोल पंपों की ओर बढ़ा

-तेल कंपनियों ने किया नया नियम लागू, आम जनता पर भी पड़ेगा असर!

नई दिल्ली,(ए)। ईरान और इजराइल के युद्ध एलपीजी सप्लाई पर संकट के बाद अब धीरे-धीरे पेट्रोल पंपों की ओर भी बढ़ रहा है। देश की सभी सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप मालिकों के लिए नया नियम लागू कर दिया है। इसकी आंच जल्द ही आम आदमी तक भी पहुंच सकती है। देश की सभी तेल कंपनियों ने कहा है कि पेट्रोल पंप को प्री-पेमेंट पर ही तेल दिया जाएगा और मौजूदा संकट को देखते हुए उनके क्रेडिट पर तेल देने की व्यवस्था बंद की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी तेल कंपनियों ने खुदरा पेट्रोल पंप को उनके क्रेडिट पर ईंधन की सप्लाई बंद कर दी है और भुगतान को लेकर सख्त नियम लागू किए हैं। मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के बाद सप्लाई चेन में दिक्कतें आ रही हैं और इसे देखते हुए तेल कंपनियों ने यह फैसला किया है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने पिछले सप्ताह से ही एडवांस पेमेंट सिस्टम लागू कर दिया था, जबकि इंडियन ऑयल ने बीते सोमवार से 5 दिन की क्रेडिट पॉलिसी को भी निलंबित कर दिया है।

बंगाल की सभी सीटों पर टीएमसी के उम्मीदवार घोषित, भवानीपुर से चुनाव लड़ेंगी ममता बनर्जी

कोलकाता, (ए.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस बार 52 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जिसमें युवा तथा अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की गई है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस बार भी इसी सीट से चुनाव लड़ेंगी। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि दार्जिलिंग क्षेत्र की तीन सीटों पर तृणमूल चुनाव नहीं लड़ेगी।

पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कालीघाट स्थित अपने आवास से 294 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की।ममता बनर्जी ने कहा कि जिन नेताओं को इस बार टिकट नहीं दिया गया है, उन्हें पार्टी संगठन में अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाएंगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि तृणमूल पहले से अधिक सीटें जीतेगी, क्योंकि पार्टी साल के 365 दिन जनता के बीच रहती है। उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी लोगों को लाकर राज्य की राजनीति को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बंगाल की अस्मिता की लड़ाई है और जनता इसका जवाब देगी।मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर भवानीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2021 के चुनाव में नंदीग्राम से प्रतिद्वंद्विता की थी और शुभेंदु अधिकारी से हार गई थीं। इस बार वहां से पवित्र कर को उम्मीदवार बनाया गया है, जो आज ही भाजपा छोड़ कर टीएमसी में शामिल हुए हैं। इस सीट पर कड़ा मुकाबला होने की संभावना जताई जा रही है। पवित्र वहां के मौजूदा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के बेहद खास माने जाते हैं। कोलकाता बंदरगाह से फिरहाद हकीम, बिधाननगर से सुजीत बोस और रासबिहारी से देवाशीष कुमार को उम्मीदवार बनाया गया है। कमरहाटी से मदन मित्र को दोबारा टिकट दिया गया है, जबकि बेलेघाटा से पहली बार कुणाल घोष को उम्मीदवार बनाया गया है। उत्तर दमदम से पूर्व पत्रकार देवदीप पुरोहित को टिकट दिया गया है। हाबरा से ज्योतिप्रिय मल्लिक को फिर मौका मिला है, जबकि बड़त्रा से जीवनकृष्ण साहा को इस बार टिकट नहीं दिया गया।

90 लाख लाडली बहनों का फ़ायदा बंद, नहीं मिलेंगे 1500 रुपये

मुंबई, (ए.)। महाराष्ट्र सरकार द्वारा महिलाओं के लिए शुरू की गई लाडली बहन योजना से कई लाभार्थियों के नाम बाहर कर दिए गए हैं। बताया गया है कि लाडली बहन योजना से 90 लाख महिलाओं को बाहर कर दिया गया है। दरअसल लाडली बहन योजना के लाभार्थियों का वेरिफ़िकेशन किया गया था। इसमें से लाखों महिलाओं के एप्लीकेशन रिजेक्ट कर दिए गए हैं। इससे महिलाओं में भ्रम का माहौल है। मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना में महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये मिलते हैं। इस योजना में लाभार्थियों का वेरिफ़िकेशन ऑफ़लाइन किया जा रहा है। इसमें से लाखों महिलाओं के एप्लीकेशन रिजेक्ट कर दिए गए हैं। खबर है कि 90 लाख महिलाओं के नाम बाहर कर दिए गए हैं। शुरुआत में इस योजना में 2.6 करोड़ महिलाओं ने आवेदन किया था। यह संख्या अब 1.53 करोड़ हो गई है। दरअसल इन महिलाओं के वेरिफ़िकेशन में गड़बड़ियां सामने आई हैं। क्राइटेरिया पूरा न करने की वजह से उनके एप्लीकेशन रिजेक्ट कर दिए गए हैं। जिन महिलाओं की सालाना इनकम 2.5 लाख से ज़्यादा है, उनका फ़ायदा बंद कर दिया गया है। जिनके घर में चार पहिया गाड़ी है, उनका फ़ायदा बंद कर दिया गया है। साथ ही, एक परिवार से सिर्फ़ दो महिलाएं ही इस योजना का फ़ायदा उठा सकती हैं। जो महिलाएं सरकारी कर्मचारी हैं, उनका फ़ायदा बंद कर दिया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने के लिए स्थानीय निकाय हों सक्रिय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम संवत और नव वर्ष त्योहारों पर दी बधाई

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में आगामी 19 मार्च से राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ हो रहा है। प्रदेश के नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान का यह तीसरा वर्ष है। कुओं, बावड़ियों, नदियों के पुनरुद्धार के अभियान से सभी वर्गों को जोड़ने के लिए नगरीय निकाय और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय निकाय सक्रिय भूमिका का निर्वहन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक प्रारंभ होने के पहले महत्वपूर्ण विषयों पर मंत्रीगण को जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान से जन-जन को जोड़कर इसे जन आंदोलन का रूप दिया जाए। समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ सामाजिक संस्थाओं को अभियान से जोड़ा जाए। युवाओं को विशेष भागीदारी का अवसर दिया जाए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 3000 से अधिक जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन किया जा चुका है। गत वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए 86 हजार से अधिक खेत तालाब और 550 से अधिक अमृत सरोवर बनाए गए। भू-जल संवर्धन के लिए एक लाख से अधिक कुओं का पुनर्भरण कार्य भी प्रारंभ किया गया। नदियों की निर्मलता के लिए प्रदेश की 57 प्रमुख नदियों और 194 प्रदूषण जल स्त्रोतों की पहचान कर उनके शोधन की पहल की गई। लगभग 145 नदियों के उद्गम क्षेत्र में हरित विकास के लिए गंगोत्री हरित योजना भी प्रारंभ की

गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि जन भागीदारी से इस अभियान को सफल बनाया जाएगा।

जल महोत्सव की गतिविधियों को सफल बनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल महोत्सव की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। आगामी 22 मार्च तक जल महोत्सव के तहत विभिन्न कार्य हो रहे हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की भी जल संरक्षण कार्यो में महत्वपूर्ण भूमिका है।

हर घर जल के लिए मध्यप्रदेश के हित में नई दिल्ली में हुआ महत्वपूर्ण कराराननामा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केंद्रीय जल शक्ति और पेयजल मंत्रालय के साथ नई दिल्ली में आज एक महत्वपूर्ण करारनामा हुआ है, जिसके अंतर्गत पेयजल योजना के लिए पाइप लाइन बिछाने और हर व्यक्ति तक जल पहुंचाने के लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान 2 राज्यों का चयन हुआ है। यह मध्यप्रदेश के लिए प्रतिष्ठा की बात है। इस अवसर पर प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके मंगलवार को नई दिल्ली में उपस्थित थीं। स्वच्छ जल प्रदाय के लिए वर्ष 2028 तक जल जीवन मिशन की अवधि बढ़ाने और जल जीवन मिशन 2.0 पुनर्गठित कर लागू करने की स्वीकृति दी गई है,जिसका लाभ मध्यप्रदेश को मिलेगा और ग्रामीण पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाओं को सशक्त टिकाऊ बनाने में सहयोग मिलेगा।

किसान कल्याण वर्ष में विभागों की गतिविधियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान कल्याण वर्ष-2026 में 17 विभाग के सहयोग से वर्ष भर होने वाली विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में किसानों के हित में अभिनव पहल की जा रही है। कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए राज्य सरकार बहु आयामी प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री का 4-लेन निर्माण स्वीकृति के लिए माना आभार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय कैबिनेट द्वारा हाल ही में 3839 करोड़ रुपए की लागत से एनएच 752 डी पर बदनावर पेटलावद थांदला टिमरवानी सेक्शन में 4-लेन निर्माण की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

रेल अधिकारियों के नाम पर फर्जी कॉल- सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

भोपाल मंडल ने रेलकर्मियों एवं पेंशनर्स के लिए जारी की एडवाजरी

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल द्वारा सभी रेलकर्मियों एवं पेंशनर्स को महत्वपूर्ण सुरक्षा परामर्श जारी किया गया है। हाल ही में यह पाया गया है कि कुछ अज्ञात व्यक्ति रेल अधिकारियों का नाम लेकर सेवानिवृत्त एवं सेवानिवृत्ति के निकट कर्मचारियों को फोन कॉल कर रहे हैं और बैंक खाता, एटीएम विवरण, ओटीपी, पिन तथा अन्य गोपनीय जानकारी मांग रहे हैं। रेल प्रशासन स्पष्ट रूप से सूचित करता है कि रेलवे का कोई भी अधिकारी या विभाग फोन पर बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी, ओटीपी, पिन अथवा पासवर्ड नहीं मांगता है। इस प्रकार की कॉल पूर्णत: फर्जी एवं धोखाधड़ी का प्रयास है।

क्या न करें

फोन पर ओटीपी, पिन, पासवर्ड या बैंक विवरण साझा न करें। किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। संदिग्ध कॉल करने वाले व्यक्ति के दबाव में न आएं।

क्या करें

किसी भी सूचना की पुष्टि संबंधित कार्यालय या बैंक शाखा में व्यक्तिगत रूप से करें। संदिग्ध कॉल/संदेश की तुरंत सूचना दें। अपने परिजनों एवं सहकर्मियों को भी जागरूक करें।

रेल प्रशासन सभी कर्मचारियों एवं पेंशनर्स से अपील करता है कि वे सतर्कता एवं जागरूकता को ही अपनी सुरक्षा का सबसे बड़ा साधन बनाएं। साइबर अपराधियों से बचाव हेतु सावधानी ही सर्वोत्तम उपाय है।

किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी की आशंका होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें अथवा निकटतम रेलवे कार्यालय को सूचित करें।

भोपाल में एलपीजी संकट पर कांग्रेस का अनोखा विरोध प्रदर्शन, दुकानदारों को बांटा कोयला, सरकार पर साधा निशाना

भोपाल,(निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में रसोई गैस और कमर्शियल सिलेंडरों की कथित कमी को लेकर कांग्रेस ने अनूठे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता रविंद्र साहू झुमरवाला ने आज मंगलवार को बरखेड़ा पठानी चौराहे पर दुकानदारों और आम नागरिकों के बीच कोयले का वितरण कर गैस संकट की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।रविंद्र साहू ने कहा कि मध्य प्रदेश में रसोई गैस की गंभीर किल्लत के कारण छोटे होटल संचालक, चाय दुकानदार और आम परिवार सिलेंडर के लिए भटकने को मजबूर हैं। गैस उपलब्ध नहीं होने से लोगों को मजबूरन पुराने समय की तरह कोयला और लकड़ी का सहारा लेना पड़ रहा है। इसी सच्चाई को उजागर करने के लिए यह प्रतीकात्मक विरोध किया गया।उन्होंने केंद्र सरकार और प्रदेश की मोहन यादव सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारें इस गंभीर समस्या पर पूरी तरह मौन हैं। उज्ज्वला योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि जब गैस कनेक्शन दिए गए, तो अब उसकी नियमित आपूर्ति क्यों सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। साहू ने आरोप लगाया कि सरकार की अव्यवस्थित नीतियों के कारण आम जनता, गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के साथ-साथ छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने स्थानीय विधायक एवं मंत्री कृष्णा गौर से भी सवाल किया कि क्षेत्र में इतनी बड़ी समस्या होने के बावजूद वे चुप क्यों हैं। कांग्रेस नेता ने मांग की कि घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति तत्काल सुचारू की जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो कांग्रेस पार्टी आम जनता और व्यापारियों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करेगी।इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय दुकानदार, कांग्रेस कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे। सभी ने गैस आपूर्ति की समस्या को लेकर नाराजगी जताई और सरकार से जल्द समाधान की मांग की।

भोपाल में नापतौल विभाग को फिर बम से उड़ाने की धमकी

ई-मेल में आरडीएक्स का दावा, पुलिस ने किया सर्च ऑपरेशन

भोपाल,(निप्र)। मध्य पदेश की राजधानी में धमकी भरे ई-मेल का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एमपी नगर स्थित नापतौल विभाग के कार्यालय को मंगलवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिससे हड़कंप मच गया।मंगलवार को भेजे गए एक ई-मेल में दावा किया गया कि कार्यालय परिसर में ड्रोन के जरिए चार छोटे आरडीएक्स बम लगाए गए हैं, जो दोपहर 2 बजे विस्फोट करेंगे। ई-मेल में कर्मचारियों को तत्काल बाहर निकालने की चेतावनी भी दी गई थी। सूचना मिलते ही एमपी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे कार्यालय परिसर में सघन सर्चिंग अभियान चलाया गया। एहतियात के तौर पर सभी कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया।एमपी नगर थाना प्रभारी जय हिंद शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम ने बारीकी से जांच की, लेकिन मौके पर कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला। पुलिस के अनुसार, एक दिन पहले भी इसी तरह का धमकी भरा ई-मेल मिला था, जिसमें पुलिस की तलाशी प्रक्रिया को परखने की बात कही गई थी। इस घटना को देखते हुए मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। फिलहाल साइबर टीम ई-मेल भेजने वाले की पहचान में जुटी है और तकनीकी जांच के जरिए आरोपी तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के 30 वें दीक्षांत समारोह में स्नातकों को पत्रोपाधि प्रदान की।

एचपीवी टीकाकरण अभियान: मध्यप्रदेश में 14 वर्ष की एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण हुआ पूर्ण

प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेश में 14 वर्ष आयु वर्ग की एक लाख से अधिक किशोरी बालिकाओं के सफल एचपीवी टीकाकरण पर स्वास्थ्य विभाग की टीम, जिला प्रशासन तथा सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 को अजमेर, राजस्थान से इस विशेष एचपीवी टीकाकरण अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ किया था। मध्यप्रदेश इस अभियान के अंतर्गत एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण कर देश में सर्वाधिक एचपीवी टीकाकरण वाला राज्य बन गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, राजगढ़ और खरगोन जिलों का इस उपलब्धि में विशेष योगदान रहा है। प्रदेश में अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर कलेक्टरों की अध्यक्षता में समन्वय स्थापित किया गया और स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, पंचायत विभाग सहित विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों का महत्वपूर्ण सहयोग मिला। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी 14 वर्ष आयु की बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण अवश्य कराएं, ताकि सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

एचपीवी टीकाकरण अभियान: मध्यप्रदेश में 14 वर्ष की एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण हुआ पूर्ण

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेश में 14 वर्ष आयु वर्ग की एक लाख से अधिक किशोरी बालिकाओं के सफल एचपीवी टीकाकरण पर स्वास्थ्य विभाग की टीम, जिला प्रशासन तथा सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 को अजमेर, राजस्थान से इस विशेष एचपीवी टीकाकरण अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ किया था। मध्यप्रदेश इस अभियान के अंतर्गत एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण कर देश में सर्वाधिक एचपीवी टीकाकरण वाला राज्य बन गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, राजगढ़ और खरगोन जिलों का इस उपलब्धि में विशेष योगदान रहा है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर कलेक्टरों की अध्यक्षता में समन्वय स्थापित किया गया और स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, पंचायत विभाग सहित विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों का महत्वपूर्ण सहयोग मिला। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी 14 वर्ष आयु की बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण अवश्य कराएं, ताकि सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग बेटियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है और शेष पात्र बालिकाओं का टीकाकरण भी शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।

निवाड़ी के डायल 112 हीरोज

सतर्कता और समझाइश देकर आत्महत्या के उद्देश्य से रेलवे पटरी पर बैठी महिला को सुरक्षित बचाया

भोपाल,(निप्र)। निवाड़ी जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र मेंडायल-112 जवानों की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाईसे आत्महत्या के उद्देश्य से रेलवे पटरी पर बैठी एक महिला की जान बचाई गई। समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक संभावित गंभीर घटना को टाल दिया गया।दिनांक 16 मार्च को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई किनिवाड़ी रेलवे स्टेशनपर एक महिला आत्महत्या के उद्देश्य से रेलवे पटरी पर बैठ गई है। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही कोतवाली थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकर आरक्षक नरेंद्र गौतम एवं पायलट आनंद कुमार ने पाया कि पारिवारिक विवाद के चलते अवसादग्रस्त 21 वर्षीय महिलारेलवे पटरी पर बैठी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल-112 जवानों ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए महिला को समझाइश देकर सुरक्षित पटरी से हटाया। इसके पश्चात महिला पहचान एवं सत्यापन उपरांत उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा न केवल आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करती है, बल्कि संवेदनशीलता के साथ लोगों को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित भी करती है।

भोपाल में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, 5 हजार की रिश्वत लेते हाउसिंग बोर्ड का कर्मचारी रंगे हाथ गिरफ्तार

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल (हाउसिंग बोर्ड) के एक डाटा एंट्री ऑपरेटर को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जवाहर चौक स्थित कार्यालय के गोमन्तिका परिसर में मंगलवार को की गई। रिश्वतखोर आरोपी की पहचान ज्ञानेंद्र कुमार पटेल के रूप में हुई है, जो संपदा शाखा में आउटसोर्स कर्मचारी के तौर पर कार्यरत था। उस पर सुल्तानाबाद निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी दूधनाथ शुक्ला से मकान की लीज नवीनीकरण के एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनकी पत्नी के नाम पर आवंटित ईडब्ल्यूएस मकान की लीज बढ़ाने के लिए आरोपी लगातार पैसे की मांग कर रहा था और राशि न देने पर काम टाल रहा था। परेशान होकर उन्होंने लोकायुक्त से शिकायत की। लोकायुक्त टीम ने शिकायत की गोपनीय जांच कराई, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की गई।

पश्चिम मध्य रेलवे ने ग्यारह माह में रूपये 8186 करोड़ का ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल में वाणिज्य/परिचालन विभाग के प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेलवे ने चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक यानि ग्यारह माह में रूपये 8186 करोड़ का कुल प्राम्भिक राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि (रूपये 7390 करोड़ 65 लाख) की तुलना में 10.76 प्रतिशत अधिक है, तथा रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य (7849 करोड़ 38 लाख रूपये) ऑरिजनेटिंग रेवन्यू से 4 प्रतिशत अधिक है।

ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू के मद वाइस आय पर नजर डालें तो *यात्री यातायात से रुपये 2341 करोड़ 60 लाख, माल यातायात से रुपये 5465 करोड़ 92 लाख, अन्य कोचिंग मद में रुपये 167 करोड़ 54 लाख एवं विविध आय यानि संड्री से रुपये 210 करोड 94 लाख का रेलवे राजस्व प्राप्त किया है। चालू वित्तीय वर्ष के ग्यारह माह में भोपाल मण्डल ने 1852 करोड़ 05 लाख का कुल ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया है।

भोपाल मण्डल ने 1852 करोड़ 05 लाख का कुल ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया

यात्री यातायात के लिए पमरे द्वारा निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:-

-स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा हैं।

-पमरे से चलने वाली स्पेशल ट्रेनों की संचालन अवधि को विस्तारित कर चलाया जा रहा हैं।

-यात्री ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के लिए अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं।

-पश्चिम मध्य रेल में मिलने वाले प्रायोगिक ठहराव की अवधि यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बढ़ाया जा रहा हैं।

माल यातायात के लिए पमरे द्वारा निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:-

-माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएँ शुरू की गई ।

-नए माल गोदामों को विकसित करके उन्नयन कार्य किया जा रहा है।

-गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल/ साइडिंग को बढ़ाने का निरंतर प्रयास किये जा रहे है।

अन्य कोचिंग एवं विविध आय यानि संड्री रेवेन्यू के लिए पमरे द्वारा निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:-

-गैर किराया राजस्व (नॉन फेयर रेवेन्यू) में वृद्धि के लिए नवाचारों और नविन अवधारणाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है।

-नई अभिनव गैर किराया राजस्व विचार योजना (निनफीस) निति के तहत नयी-नयी योजनाओं को लागु किया जा रहा है।

मोनालिसा-फरमान शादी विवाद : नाजिया इलाही ने बड़े नेटवर्क की जांच की मांग उठाई; शरजील इमाम का कनेक्शन क्या?

खरगोन (ए.)। महाकुंभ के दौरान वायरल हुई महेश्वर की मोनालिसा और फरमान की शादी का मामला अब नया मोड़ ले चुका है। इस विवाद को लेकर दिल्ली की अधिवक्ता और टीवी डिबेट में सक्रिय रहने वाली नाजिया इलाही खान सोमवार को खरगोन पहुंचीं। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत में इस विवाह पर कई गंभीर सवाल उठाते हुए सुरक्षा एजेंसियों से गहन जांच की मांग की।

मीडिया से चर्चा के दौरान नाजिया इलाही खान ने कहा कि यदि फरमान मुस्लिम हैं और मोनालिसा हिंदू आदिवासी समुदाय से हैं, तो हिंदू रीति-रिवाज से हुई शादी हिंदू मैरिज एक्ट 1955 के तहत सवालों के घेरे में आती है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि धर्म परिवर्तन हुआ है, तो उसका वैध प्रमाण सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि यदि विवाह स्पेशल मैरिज एक्ट 1954 के तहत हुआ है, तो धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ शादी करने का औचित्य भी जांच का विषय है। उनके अनुसार पूरे मामले की कानूनी जांच आवश्यक है, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

नाजिया इलाही खान ने दावा किया कि इस प्रकरण में कुछ अन्य एंगल भी सामने आए हैं, जिनकी जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि फरमान का नाम पहले CAA और NRC विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी सामने आया था। ऐसे में यह जांच का विषय है कि उसकी नजदीकियां शारजील इमाम से रही हैं या नहीं।

उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से संभावित संबंधों की भी जांच होनी चाहिए। उनके अनुसार सुरक्षा एजेंसियों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि कहीं इसके पीछे कोई संगठित नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। शादी के दौरान सामने आए फोटो और वीडियो पर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विवाह के समय "द ट्रू केरला स्टोरी" लिखे बोर्ड को हाथ में रखने का उद्देश्य क्या था, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

त्रिकोणीय प्रेम कहानी का खौफनाक अंत, युवक की हत्या के मामले में प्रेमिका समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

टीकमगढ (ए.)। जिले में सामने आए एक सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। यहां त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में दो युवकों और एक महिला को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार 9 मार्च को निवाड़ी शहर के पास एक ढाबे के नजदीक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। पुलिस ने शव की पहचान कराई, जिसमें मृतक की पहचान बिजौर गांव निवासी जगदीश कुशवाहा के रूप में हुई। शव के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले थे, जिससे मामला हत्या का प्रतीत हुआ।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक का केना गांव निवासी ममता कुशवाहा से प्रेम संबंध था। वह उससे मिलने के लिए अक्सर शहर के पास स्थित एक कुएं पर आता-जाता था। पुलिस ने इस आधार पर संदिग्धों से पूछताछ की, जिसमें राजेश दांगी और अजय यादव ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

पुलिस के अनुसार 4 मार्च को मृतक अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा था और उस पर जबरन शादी करने का दबाव बना रहा था। इसी दौरान वहां मौजूद राजेश दांगी और अजय यादव ने गुस्से में आकर उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने शव को पंचवटी ढाबा के पास फेंक दिया, ताकि घटना को छिपाया जा सके।

पुलिस ने इस मामले में अजय यादव, राजेश दांगी और ममता कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला से तीनों के संबंध थे, जिसके चलते विवाद बढ़ा और हत्या की वारदात हुई। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शहडोल में रेत माफिया का खतरनाक खेलः कार्रवाई से बौखलाकर पुलिसकर्मी के खाते में जबरन डाले पैसे, साजिश बेनकाब

शहडोल (ए.)। शहडोल जिले में रेत माफियाओं के खिलाफ लगातार हो रही पुलिस कार्रवाई से बौखलाए माफिया अब पुलिस को फंसाने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। ऐसा ही एक मामला खैरहा थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई के बाद आरोपी ने पुलिसकर्मी को बदनाम करने की कोशिश की और बिना बताए उसके खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए।

जानकारी के अनुसार, खैरहा थाना क्षेत्र के एक नाले से ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से अवैध रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा था। मुखबिर से सूचना मिलने पर थाना प्रभारी उमा शंकर चतुर्वेदी के निर्देश पर टीम गठित कर प्रधान आरक्षक संतोष धुर्वे, आरक्षक सतीश चौरसिया और आरक्षक आलोक को मौके पर भेजा गया।

पुलिस टीम के पहुंचते ही ट्रैक्टर चालक विपिन द्विवेदी वाहन लेकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया और रेत से लोड ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया। आरोपी को हिरासत में लेकर थाने लाया गया, जहां उसके खिलाफ खनिज अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर नोटिस देकर छोड़ दिया गया।

गैस नहीं मिली तो सिलिंडर लेकर गुना कलेक्ट्रेट पहुंचा युवक, अधिकारियों की खुली नींद; दी राहत

गुना (ए.)। गुना शहर में घरेलू गैस सिलिंडर की समय पर डिलीवरी न मिलने से परेशान एक युवक ने अनोखे तरीके से जनसुनवाई में अपनी शिकायत दर्ज कराई। हनुमान कॉलोनी निवासी दिनेश कुमार यादव मंगलवार को खाली गैस सिलिंडर लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां जनसुनवाई कार्यक्रम चल रहा था। युवक की परेशानी देखकर अधिकारियों ने तुरंत गैस एजेंसी से संपर्क किया और कुछ ही देर में उसे भरा हुआ सिलिंडर उपलब्ध करा दिया।

जानकारी के अनुसार, दिनेश यादव ने करीब आठ दिन पहले घरेलू गैस सिलिंडर की बुकिंग कराई थी। बुकिंग कन्फर्म होने के बावजूद एजेंसी द्वारा लगातार डिलीवरी टाली जा रही थी। उनका आरोप है कि हर बार उन्हें कुछ दिन बाद आने के लिए कहा जाता था। दिनेश यादव ने बताया कि घर में गैस खत्म हो चुकी थी, जिससे परिवार को कई दिनों से परेशानी हो रही थी। कई बार एजेंसी के चक्कर लगाने के बावजूद समाधान नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने प्रशासन के सामने सीधे शिकायत रखने का निर्णय लिया। उन्होंने यह भी कहा कि एक ओर उनकी बुकिंग कन्फर्म थी, फिर भी सिलेंडर नहीं मिल रहा था, जबकि बाजार में ब्लैक में सिलिंडर महंगे दामों पर मिलने की चर्चा है।

जनसुनवाई में खाली सिलिंडर के साथ पहुंचे युवक को देखकर अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने तुरंत संबंधित एजेंसी से संपर्क किया और स्थिति स्पष्ट करने को कहा। इसके बाद एजेंसी ने तत्काल भरा हुआ सिलिंडर भेजा, जिसे मौके पर ही दिनेश यादव को सौंप दिया गया।

खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आशीष चतुर्वेदी ने बताया कि तकनीकी कारणों से सर्वर में समस्या आने के चलते बुकिंग प्रक्रिया में देरी हुई थी। हालांकि, स्थिति स्पष्ट होते ही उपभोक्ता को सिलेंडर उपलब्ध करा दिया गया। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि शहर में गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी भी उपभोक्ता को परेशानी होने पर वह एजेंसी या प्रशासन से संपर्क कर सकता है।

जंगल में चल रही दो अवैध पटाखा फैक्ट्रियों पर पुलिस का छापा, 25 लाख की सामग्री जब्त, 3 गिरफ्तार

देवास (ए.)। देवास पुलिस ने उदयनगर थाना क्षेत्र के पोलाखाल गांव के दुर्गम वन क्षेत्र में संचालित दो अवैध पटाखा निर्माण फैक्ट्रियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 25 लाख रुपये की विस्फोटक सामग्री जब्त की है। इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी इंदौर निवासी संजय शर्मा पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस को 15 मार्च को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पोलाखाल गांव के जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से पटाखा निर्माण फैक्ट्री संचालित की जा रही है, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक काम कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोत के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एच.एन. बाथम, एसडीओपी बागली संजय सिंह बैस और निरीक्षक बी.डी. बीरा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने थाना उदयनगर प्रभारी निरीक्षक सी.एल. रायकवार के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ पोलाखाल और झोलपीपली क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। जांच में सामने आया कि आरोपी संजय शर्मा ने टीन शेड लगाकर बड़े पैमाने पर अवैध रूप से सुतली बम तैयार करने का काम शुरू कर रखा था और वहां विस्फोटक सामग्री का भंडारण भी किया गया था।

पुलिस ने दोनों स्थानों से करीब 50 हजार निर्मित सुतली बम, लगभग 2500 किलोग्राम विस्फोटक पाउडर और सुतली बम बनाने में उपयोग होने वाली अन्य सामग्री जब्त की है। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई जा रही है।

व्यापार समाचार

सोना-चांदी के भाव में उछाल, घरेलू और वैश्विक बाजार में तेजी

सोना 1,56,7 के पार, चांदी 2.61 लाख के करीब

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोना और चांदी की कीमतों में मजबूत तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों धातुओं ने बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की और दिनभर ऊंचे स्तर पर बने रहे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल वायदा कॉन्ट्रैक्ट 1,155 रुपये की तेजी के साथ 1,56,891 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 1,55,736 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट करीब 1,004 रुपये की बढ़त के साथ 1,56,740 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान सोने ने 1,56,996 रुपये का उच्च और 1,56,675 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष अब तक सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी अच्छी तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर मई कॉन्ट्रैक्ट 4,925 रुपये की बढ़त के साथ 2,61,457 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 2,56,532 रुपये था। कारोबार के दौरान यह करीब 2,165 रुपये की तेजी के साथ 2,61,457 रुपये पर बना रहा। दिन में चांदी ने 2,55,701 रुपये का उच्च और 2,58,338 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का उच्च स्तर छू चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी में मजबूती का रुख बना हुआ है। कॉमेक्स पर सोना 5,012.20 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बढ़त के साथ 5,028.10 डॉलर तक पहुंच गया। वहीं, चांदी 80.92 डॉलर पर खुलकर 81.53 डॉलर प्रति औंस तक कारोबार करती दिखी।

टाटा की इलेक्ट्रिक कार खरीदने की मची लूट, नेक्सन से लेकर पंच और कर्व ईवी पर मिल रही 3.80 लाख रुपए तक की भारी छूट

नई दिल्ली (आरएनएस)। अगर आप लंबे समय से एक नई इलेक्ट्रिक कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो टाटा मोटर्स आपके लिए एक शानदार मौका लेकर आई है। कंपनी ने मार्च 2026 के लिए अपनी पूरी ईवी (EV) रेंज पर जबरदस्त डिस्काउंट ऑफर्स का ऐलान किया है। फरवरी के मुकाबले इन ऑफर्स को अब और भी ज्यादा आकर्षक बना दिया गया है। खासतौर पर साल 2024 और 2025 में बनी गाड़ियों के पुराने स्टॉक को क्लियर करने के लिए कंपनी भारी छूट और बोनस दे रही है। अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से ग्राहकों को कार खरीदने पर कुल मिलाकर करीब 3.80 लाख रुपये तक का बंपर फायदा मिल सकता है।

टियागो ईवी पर मिल रहा तगड़ा डिस्काउंट

टाटा की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कारों में शुमार टियागो ईवी (Tiago EV) इस महीने ग्राहकों की पहली पसंद बन सकती है। इसके MY26 XT वेरिएंट पर 90,000 रुपये तक की छूट मिल रही है, जबकि टेक लक्स समेत अन्य टॉप मॉडल्स पर 1.20 लाख रुपये तक का फायदा उठाया जा सकता है। पुराने स्टॉक यानी MY24 और MY25 मॉडल्स पर यह छूट और भी ज्यादा है। Tiago EV XT के पुराने स्टॉक पर 1.80 लाख रुपये और XZ+ वेरिएंट पर 2.10 लाख रुपये तक की भारी बचत की जा सकती है। इसमें एक्सचेंज और स्क्रैपेज बोनस भी शामिल हैं।

पंच ईवी खरीदने वालों के लिए भी शानदार मौका

कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में धूम मचाने वाली टाटा पंच ईवी (Punch EV) की कीमतों में भी बड़ी कटौती देखने को मिली है। कंपनी इसके एंट्री-लेवल स्मार्ट वेरिएंट पर सीधे 90,000 रुपये तक की छूट दे रही है। वहीं, इसके लाइनअप के अन्य वेरिएंट्स पर 1.20 लाख रुपये तक की छूट का लाभ उठाया जा सकता है। अगर ग्राहक पंच ईवी का लॉन्ग रेंज वर्जन चुनते हैं, तो उनकी कुल बचत वेरिएंट के आधार पर 1.40 लाख रुपये तक पहुंच सकती है।

नेक्सन ईवी पर मिल रही लाखों की बचत

भारतीय बाजार में लगातार अपनी धाक जमाए रखने वाली टाटा नेक्सन ईवी (Ne&on EV) पर भी इस महीने खास ऑफर्स दिए जा रहे हैं। नेक्सन ईवी 3.0 के MY24 और MY25 मॉडल्स खरीदने पर ग्राहकों को पूरी रेंज पर 1.20 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है। हालांकि, नए MY26 वेरिएंट पर यह फायदा लगभग 50,000 रुपये तक का है। इन आकर्षक ऑफर्स में ग्रीन बोनस, एक्सचेंज और स्क्रैपेज बोनस के साथ-साथ टाटा के मौजूदा ग्राहकों के लिए खास लॉयल्टी इंसेंटिव भी जोड़े गए हैं।

दुबई और अबू धाबी की कई उड़ानें रद्द, भारतीय विमानन कंपनियों की एडवाइजरी जारी

अबू धाबी (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर परिवहन से लेकर शिक्षा और सुरक्षा पर हो रहा है। दोनों तरफ से जारी हमलों के बीच विमान का संचालन भी बाधित हो रहा है। इस बीच संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय दूतावास ने नई एडवाइजरी जारी कर विमान के शेड्यूल से संबंधित जानकारी साझा की है। एयरलाइन ने बताया है कि 15 मार्च के लिए विमानों के संचालन में फेर-बदल किया है। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और इंडिगो ने रविवार को दुबई और अबू धाबी जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

भारतीय दूतावास ने लिखा, संयुक्त अरब अमीरात के सिविल एविएशन प्राधिकरण के निर्देशों के आधार पर एयरलाइंस संशोधित और सीमित उड़ान शेड्यूल जारी कर रही हैं। अबू धाबी, दुबई, आरएके (रस अल खैमाह), शारजाह और फुजैराह के हवाई अड्डे से भारत के विभिन्न गंतव्यों के लिए सीमित उड़ानें संचालित की जाएंगी। अधिक जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस से संपर्क किया जा सकता है।

इससे पहले यूएई में भारतीय राजदूत दीपक मित्तल ने सीजी सतीश सिवन के साथ यूएई में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और समुदाय की भलाई पर चर्चा की। उन्हें भरोसा दिलाया गया कि दूतावास और कॉन्सुलेट पूरी तरह से काम कर रहे हैं। जरूरतमंद भारतीयों की मदद के लिए 24म7 हेल्पलाइन उपलब्ध है। वहीं एयर इंडिया ने यूएई के लिए विमान के संचालन को लेकर कहा, यूएई एयरपोर्ट प्राधिकरण के निर्देशों के बाद, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस को 15 मार्च 2026 के लिए अपने एड-हॉक ऑपरेशन्स को और सीमित करना पड़ रहा है। आज अबू धाबी, रास अल खैमाह और शारजाह के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की सभी प्लान की गई फ़्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं।

अप्रैल से आम आदमी की जेब पर पड़ेगा भारी डाका, कार से लेकर टीवी-फ्रिज और एसी तक सब होने जा रहा है महंगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। अगर आप गर्मी के इस मौसम में नया एसी, टीवी, फ्रिज या फिर कोई नई कार खरीदने का मन बना रहे हैं, तो आपके लिए यह एक झटके वाली खबर हो सकती है। आगामी 1 अप्रैल से आपकी रोजमर्रा के इस्तेमाल से जुड़ी कई जरूरी चीजों की कीमतों में भारी उछाल आने वाला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे माल की तेजी से बढ़ती कीमतों और ट्रांसपोर्टेशन के बढ़ते खर्च के कारण बाजार में इन सामानों के दाम 5 से 6 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। यानी अगले महीने से अपनी जरूरत का सामान घर लाने के लिए आपको अपनी मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा खर्च करना पड़ेगा।

कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ी लागत ने बिगाड़ा बजट

कंपनियों द्वारा अचानक दाम बढ़ाने की तैयारी के पीछे सबसे बड़ा कारण अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में कच्चे माल का महंगा होना है। इलेक्ट्रॉनिक सामान और ऑटोमोबाइल सेक्टर में भारी मात्रा में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक, रेजिन और पॉलिमर की कीमतों में अचानक बड़ी तेजी देखने को मिली है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माल ढुलाई (फ्रेट रेट) की दरों में भी 7 से 10 प्रतिशत तक का भारी इजाफा हुआ है। जाहिर है, जब कंपनियों को प्रोडक्ट बनाने और उसे बाजार तक पहुंचाने में ज्यादा खर्च करना पड़ेगा, तो वे अपनी इस बढ़ती लागत का सीधा बोझ ग्राहकों की जेब पर ही डालेंगी।

लग्जरी कारों के साथ-साथ आम गाड़ियां भी भरेंगी उड़ान

इस महंगाई की मार से ऑटोमोबाइल सेक्टर भी अछूता नहीं रहने वाला है। कई प्रमुख कार निर्माता कंपनियां अपनी गाड़ियों की कीमतों में 2 से 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं। मर्सिडीज-बेंज (Mercedes-Benz) और ऑडी (Audi) जैसी लग्जरी कार निर्माता कंपनियों ने तो पहले ही आधिकारिक तौर पर यह घोषणा कर दी है कि वे 1 अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों में लगभग 2 प्रतिशत का इजाफा करने जा रही हैं। वहीं, आम आदमी के बजट की कारें बनाने वाली कंपनियां भी अब अपने नए रेट तय करने की अंतिम प्रक्रिया में जुट गई हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.37 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में रुपया 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती एवं अमेरिकी मुद्रा में तेजी से भी मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले की प्रतीक्षा में सतर्कता बरत रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दिखाता है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

केंद्र का दिशा-निर्देश

इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि केंद्र असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। पूरे भारत को अपनी विचारधारा के रंग में ढालने की मुहिम में जुटी नरेंद्र मोदी सरकार को ऐसे कदमों पर हो रही प्रतिक्रियाओं को लेकर अवश्य सचेत रहना चाहिए। इस बहुलता भरे देश में असहमत विचार और विरोधी भावनाओं की एक सीमा से ज्यादा अनदेखी विपरीत परिणाम दे सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि सरकार असहमत समूहों के साथ संवाद कायम करने का नजरिया अपनाए। इस हफ्ते ऐसी दो घटनाएं हुईं, जिन्हें केंद्र के अति-उत्साह की प्रतिक्रिया समझा जाएगा।

बीते 28 जनवरी को केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत गाना और वंदे मातरम के सभी छह स्तोत्र गाना अनिवार्य कर दिया था। गुजरे मंगलवार को नगालैंड विधानसभा ने इस मुद्दे को प्रवर समिति को भेजने का फैसला किया कि क्या ये दिशा-निर्देश उस राज्य पर भी लागू होता है। इसके पहले बजट सत्र की शुरुआत पर पहली बार गन-गण-मन से पहले सदन में वंदे मातरम गाया गया। उस पर भाजपा को छोड़ सभी दलों के सदस्यों ने आपत्ति जताई। उनमें सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दल भी हैं, हालांकि ये गठबंधन केंद्र में सत्ताधारी एनडीए का हिस्सा है। कई सदस्यों ने कहा कि इस मामले से संवैधानिक एवं अंतरात्मा से संबंधित सवाल खड़े हुए हैं। यह भी कहा गया कि केंद्र का दिशा-निर्देश देशभक्ति और एकरूपता का घालमेल करता मालूम पड़ा है।इस बीच रेलवे स्टेशनों पर अन्य लिपियों में हिंदी शब्द लिखने को लेकर तमिलनाडु में विवाद गरमा गया है। बुधवार को तिरुचि स्टेशन पर अधिकारियों ने हिंदी, अंग्रेजी, और तमिल में लिखे कर्त्तव्य-द्वार शब्द को हटा दिया। कहा कि ऐसा जन भावनाओं का ख्याल करते हुए किया गया है। इसके पहले डीएमके समर्थकों ने गेट पर बने मेहराब पर लिखे इन शब्दों पर कालिख पोत दी थी। मुख्यमंत्री एम।के। स्टालिन ने इसे 'एक भाषा, तीन लिपि' नीति बताते हुए इस पर कड़ा एतराज जताया था। संकेत हैं कि तमिलनाडु में अब अन्य जगहों पर भी हिंदी विरोधी समूह इस मुद्दे पर विरोध जताने की तैयारी में हैं। ऐसी हर घटना राष्ट्रीय मेलजोल की भावना में पेच डालती है। अत: उचित यही होगा कि इन पर अविलंब ध्यान दिया जाए।

बिहार के बाद अब पश्चिम बंगाल की बारी

एस. सुनील

अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी ने बिहार का किला फतह कर लिया है। अब पश्चिम बंगाल की बारी है। ध्यान रहे उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत के सिर्फ तीन बड़े राज्य ऐसे थे, जहां भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया था। 2024 में उनमें से एक राज्य ओडिशा में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की और उसका मुख्यमंत्री बना। भाजपा ने 25 साल का नवीन पटनायक का राज खत्म किया। उसके बाद अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है। इतिहास में भी दिल्ली और देश पर उसी का राज मजबूत हुआ, जिसका बंगाल पर कब्जा था। दक्कन यानी दक्षिण भारत की लड़ाई उसके बाद लड़ी जाती है। हालांकि भाजपा एक साथ दक्षिण भारत की लड़ाई भी लड़ रही है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल की चुनावी लड़ाई आर-पार की सिर्फ इसलिए नहीं है कि वहां भाजपा को अपनी सरकार बनानी है या अपना मुख्यमंत्री बनाना है। यह कई दूसरे कारणों से आर-पार की लड़ाई है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और बंगाली हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ा चुनाव है। ध्यान रहे हर चुनाव के साथ सुरक्षा की चिंता गहराती जाती है। पांच साल पहले जो चुनाव हुआ वह भी राष्ट्रीय सुरक्षा और बंगाली हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ा था। तभी भाजपा के पक्ष में व्यापक हिंदू ध्रुवीकरण हुआ था। भाजपा को 40 फीसदी से कुछ कम वोट मिले थे। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद जो हुआ उसने चिंता को कई गुना बढ़ा दिया। दो मई 2021 को आए नतीजों के बाद राज्य के कई हिस्सों में बड़ी हिंसा हुई। भाजपा का समर्थन करने वाले हिंदुओं की पहचान पहले से की गई थी। नतीजों के बाद उनके घरों पर हमले हुए। उनको मारा गया। सैकड़ों हत्याएं हुईं, जिसे नस्ली सफाए की कोशिश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

इस बार के चुनाव पर उस डर का साया साफ दिख रहा है। बंगाल के लोगों को इस डर से बाहर निकलना होगा। भारतीय जनता पार्टी को यह भरोसा दिलाना होगा कि वह आम लोगों के साथ खड़ी है। सुरक्षा बलों

की तैनाती अपनी जगह है। लेकिन वह स्थायी समाधान नहीं है क्योंकि केंद्रीय बलों की तैनाती अनंतकाल तक नहीं हो सकती है। तृणमूल कांग्रेस के राज और उसमें एक समुदाय की ओर से होने वाले अत्याचार से त्रस्त लोगों को अगर यह भरोसा नहीं हुआ कि भाजपा जीतेगी और उसके बाद जमीनी हालात बदलेंगे, तब तक वह हिम्मत के साथ मतदान के लिए नहीं निकलेगा। उसके मनोविज्ञान में पिछली बार के चुनाव के बाद हुई हिंसा की तस्वीरें बैठी हुई हैं। इसलिए वह डरा हुआ है लेकिन यह भी चाहता है कि किसी तरह के बदलाव हो। यह पहला मौका है, जब बांग्लाभाषी हिंदू वास्तव में इस बात की चिंता कर रहा है कि अगर तृणमूल कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई तो उसका क्या होगा! इसलिए वे सत्ता परिवर्तन चाहते हैं लेकिन उससे पहले उनको हौसला और संबल चाहिए।

इस बार का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए अपने साथ साथ परिवार और पार्टी का अस्तित्व बचाने वाला चुनाव बन गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पता है कि अगर उनकी पार्टी चुनाव हारी तो उसका हस्र भी वैसा ही होगा, जैसा वामपंथी मोर्चे की जीत के बाद कांग्रेस का हुआ था और तृणमूल की जीत के बाद वाम मोर्चे की पार्टियों का हुआ था। एक बार चुनाव हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद कोई साथ नहीं देगा। तभी वे भी आर-पार की लड़ाई की तैयारी में हैं। उनकी तैयारी में एक बड़ी बाधा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से पैदा हो रही है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के सारे दांव फेल कर दिए हैं। गौरतलब है कि बिहार में एसआईआर शुरू होने के बाद पश्चिम बंगाल की सरकार ने बड़े पैमाने पर लोगों को ऐसे प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए, जो एसआईआऱ की प्रक्रिया में मददगार बने। तभी एसआईआऱ के पहले चरण के बाद बंगाल में 58 लाख ही नाम कटे, जबकि बिहार में 69 लाख नाम कटे थे।

एसआईआऱ के दूसरे चरण के बाद यानी तमाम अदालती हस्तक्षेप के बाद जो अंतिम मतदाता सूची सामने आई उसमें भी 60 लाख नाम विचाराधीन कर दिए गए। इन मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच का जिम्मा अब न्यायिक अधिकारियों के हाथ में है। पिछले एक हफ्ते में इन 60 लाख मतदाताओं में से सिर्फ 10 फीसदी यानी छह लाख मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच हो पाई है। ध्यान रहे अगले एक हफ्ते में पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। सोमवार और मंगलवार को चुनाव आयोग की टीम बंगाल में रहेगी और लौटने के बाद अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देकर चुनाव की घोषणा कर दी जाएगी। जाहिर है इतने कम समय में सभी 60 लाख नामों की जांच नहीं हो पाएगी। इस बीच राज्य की विपक्षी पार्टियों, जिसमें वाममोर्चा और कांग्रेस मुख्य हैं, ने यह मांग शुरू कर दी है कि जब तक सारे नामों की जांच नहीं हो जाती है तब तक चुनाव की घोषणा नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा होता है तो यह ममता बनर्जी के लिए ज्यादा चिंता की बात होगी क्योंकि 60 लाख मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच के लिए चुनाव टालना पड़ेगा और अगर चुनाव टला तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लग जाएगा। ध्यान रहे पूर्व आईपीएस अधिकारी और तमिलनाडु में तीन साल से ज्यादा समय तक राज्यपाल रहे रविंद्र नारायण रवि को बंगाल का राज्यपाल बनाया गया है। वे बिहार के रहने वाले हैं। राष्ट्रपति शासन लगते ही सरकार की कमान उनके हाथ में चली जाएगी।

शासन और नौकरशाही की कमान हाथ से निकलने के बाद ममता बनर्जी की पार्टी और उनके कैडर में घबराहट बढ़ेगी, जिसका बहुत बड़ा चुनावी नुकसान उनको हो सकता है। पिछले दिनों ममता बनर्जी ने कहा कि उनके चुनाव क्षेत्र भबानीपुर में 44 हजार नाम काटे गए हैं और कई हजार नाम विचाराधीन रखे गए हैं। इसके आगे उन्होंने कहा कि अगर एक भी मतदाता बचेगा तो वे ही चुनाव जीतेंगे। इससे ऐसा लग रहा है कि वे नहीं चाहती हैं कि चुनाव टले और राष्ट्रपति शासन में चुनाव हो। वे चाहेंगी कि भले 40 या 50 लाख नाम और कट जाएं, लेकिन चुनाव समय पर हो जाए। ऐसा होता है तो यह अभूतपूर्व बात होगी। ध्यान रहे बंगाल में अंतिम मतदाता सूची में 63 लाख से ज्यादा नाम कटे हैं और 60 लाख नाम विचाराधीन हैं।

पूरी दुनिया में भारत की भद्द पिटी

हरिशंकर व्यास

भारत में शिक्षा की क्या स्थिति है और खास कर विज्ञान व प्रौद्योगिकी की शिक्षा में भारत कहां खड़ा है इसकी एक तस्वीर इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के एक्सपो में देखने को मिली। भारत सरकार के एनआईआरएफ यानी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क और निजी संस्थाओं की रैंकिंग में बहुत ऊपर स्थान हासिल करने वाले गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने अपने एक्सपो में एक रोबोडॉग प्रस्तुत किया। यूनिवर्सिटी की एक प्रोफेसर ने मीडिया के सामने कहा कि इसका नाम ओरायन है और इसे यूनिवर्सिटी के सेंटर ऑफ एक्सलेंस में तैयार किया गया है।

लेकिन चंद घंटों में पता चलह कि वह रोबोडॉग चीन का बना हुआ है, जो दो से ढाई लाख रुपए की कीमत में बाजार में उपलब्ध है। उसी यूनिवर्सिटी ने कोरिया का बना एक ड्रोन भी अपना बना कर एक्सपो में पेश किया। ऐसा नहीं है कि यह काम सिर्फ एक यूनिवर्सिटी ने किया। बाकियों की जांच पड़ताल नहीं हुई या गलगोटिया यूनिवर्सिटी का मामला पहले खुल गया तो बाकी सावधान हो गए। अन्यथा यही स्थिति सभी निजी विश्वविद्यालयों की है। किसी के पास अपना एक इनोवेशन, अपनी एक तकनीक, अपना एक उत्पाद दिखाने के लिए नहीं है।

एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो किया उससे पूरी दुनिया में भारत की भद्द पिटी। चीन की वेबसाइट्स पर भारत का मजाक बनाया गया। भारत में भी कुछ मीडिया और वैकल्पिक मीडिया में इसका मजाक बना। लेकिन जल्दी ही नैरेटिव बदलने का खेल शुरू हो गया। बड़े बिजनेस अखबारों में छपने लगा कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी एआई के रिसर्च पर साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। सोचें, साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए की रिसर्च का नतीजा यह है कि चीन का रोबोडॉग खरीदने का जुगाड़ हुआ और एक्सपो में डिसप्ले कर दिया गया!

सोचें, यह कितने शर्म की बात है कि, जो रोबोडॉग एक्सपो में दिखाय गया वह तकनीक का सबसे बेसिक मॉडल है। यह बैटरी और चाबी से चलने वाले बच्चों के खिलौने का विकसित रूप है। इस तरह के रोबोट दुनिया में कितने बरसों से बन रहे हैं, जो घरों में काम करते हैं। रेस्तरां में काम करने और भोजन आदि सर्व करने वाले रोबो वेटर कितने बरस पहले बन गए। अनमैन्ड ड्रोन कई तरह के काम कर रहे हैं। उसी तरह यह रोबोडॉग है, जो कुछ काम कर सकता है। दुर्गम इलाकों में जाकर तस्वीरें आदि खींच सकता है। यह सबसे बेसिक तकनीक है लेकिन देश की एक बड़ी निजी यूनिवर्सिटी, जिसकी ऊंची रैंकिंग है वहां के प्रोफेसर और छात्र उस तकनीक पर आधारित एक भी कोई प्रोडक्ट नहीं तैयार कर सके।

भारत में खुले आम एआई का नाम लेकर कैसे लोगों को मूर्ख बनाया जाता है यह उसका एक उदाहरण है। पिछले दिनों इसी तरह की एक घटना उत्तर प्रदेश में हुई थी, जहां एक शिक्षक ने किसी दुकान पर लगने वाले पुतले को लाकर उसे साड़ी पहना दी और सोफी नाम देकर एआई शिक्षक के तौर पर प्रस्तुत कर दिया। दावा किया कि सिर्फ 25 हजार रू में एआई शिक्षक बना दिया। उसके अंदर एक स्मार्ट फोन लगा हुआ था, जो सिरी या एलेक्सा से संचालित होने वाला था। छात्र सवाल पूछते थे तो कथित शिक्षिका सोफी जवाब देती थी। इसे उसने एआई शिक्षक कह कर पेश कर दिया और जिला प्रशासन से लेकर मीडिया तक में उसका गुणगान होने लगा।

मीडिया में तो इसे लार्ज लैंग्वेज मॉडल यानी एलएलएम की तरह पेश किया गया। लेकिन जल्दी ही पता चल गया कि यह एआई शिक्षक नहीं, बल्कि स्मार्ट फोन के ऑपरेटिंग सिस्टम से सवाल जवाब करके लोगों को मूर्ख बनाने की तकनीक है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में युवक ने जो किया उसी को थोड़ा अलग और बड़े रूप में गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने वैश्विक मंच पर पेश किया। यही भारत की असल हकीकत है। लोगों को बस नया जुमला मिलना चाहिए। लोग उसका इस्तेमाल करके बेवकूफ बनाना शुरू कर देते हैं।भारत में तकनीकी शिक्षा की हकीकत समझनी है तो इन यूनिवर्सिटी के कामकाज को थोड़ी बारीकी से देखना होगा। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने अकेले पिछले साल 13 सौ से ज्यादा पेटेंट के लिए अप्लाई किया।

लाक्षागृह बनते अस्पताल, बेमौत मरते लोग?

नरेन्द्र भारती

कैसी विडंबना है कि जीवनदान देने वाले अस्पताल अब लाक्षागृह बनते जा रहे है और लोग असमय काल के गाल में समा रहे हैं जहां लोग जीवन बचाने के लिए जाते है अगर वहां मौत नसीब हो तो यह वहुत ही खौफनाक त्रासदी है। ताजा घटना में ओडिशा के एससीबी मेडिकल कालेज व अस्पताल में हुआ जहां आग लगने से 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। आईसीयू में 23 मरीज दाखिल थे ।आग सुबह अढाई और तीन बजे के करीब लगी जिससे अफरा तफरी मच गई ।यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले भी हजारों हादसे हो चुके हैं।आंकडों के अनुसार कुछ साल पहले मुबंई के ईएसआईसी कामगार असपताल में आग लगने से छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी और 146 लोग घायल हो गए थे । मरीजों व तीमारदारों को निकलने का मौका नहीं लगा और बेमौत मारे गए। छह लोगों की बुरी तरह झुलसने से मौत हो गइ थी। आग के कारणों का पता नहीं चल सका पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के मैडिकल कालेज व अस्पताल में भीषण आग लगने से तीन लोंगों की मौत हो गई थी और 18 लोग बुरी तरह झुलस गए थे।मृतको में एक बच्चा व दो महिलाएं शामिल थे।आग एसी मशीन के कारण लगी बताई जा रही थी।हादसे के समय सैकडों मरीज कर्मचाारी मौजूद थे मगर लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।

असपताल में चारों तरफ धुआं फेल गया था गनीमत रही लोग सुरक्षित स्थानों की तरफ भाग गए नहीं तो मृतकों का आंकडा ब-सजय सकता था। देश में अस्पतालों में आग का यह कोई पहला मामला नहीं है हर रोज कहीं न कहीं से ऐसे हादसे होतें रहते है कुछ दिन व्यवस्था ठीक रहती है फिर वही परिपाटी चल पडती है। सरकारें मुआवजा देकर अपना फर्ज निभाती है लेकिन मुआवजा इसका हल नही है। हादसों में झुलस गए लोग ताउम्र इसका दंश झेलेगें । आज समूचे भारत में प्रतिदिन भीषण अग्निकांड़ हो रहे है। इन अग्निकांड़ो से कई प्रशन सुलगते जा रहे है कि देश के मसीहाओं को इन हादसों से कोई सरोकार नहीं होता। सरकार को ऐसे हादसों से सबक सीखना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके यह जनहित में है।सर्तकता बरतनी होगी।अगर अब भी लापरवाही बरती तो ऐसे हादसे होते रहेगें वक्त अभी संभलने का है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज असंभव सा लगने वाले किसी काम में आज आपको सफलता मिलेगी। आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। करियर से संबंधित किसी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज ऑफिस में कार्यभार अधिक होने से आपको थकान लगेगी फिर भी आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा कठिन प्रयास करेंगे, काम उतना ही आसान और बेहतर ढंग से होगा। आज किसी अनुभवी की राय आपके लिए बेहतर साबित होगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे, घर के लिए कुछ नये सजावट के सामान की खरीदारी करेंगे। आज आप जीवनसाथी की तरक्की से खुश होंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके सालों से रुके हुए पैसे वापस दिलाने मे कुछ इष्ट मित्र मददगार साबित होंगे। ऑफिस में आपके कर्मठशीलता की तारीफ होगी।आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

सिंह राशि : आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज आओ जीवनसाथी के सहयोग से घरेलू कार्य पूरा करने में सफल होंगे। आपको माता-पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा प्राप्त होगा। आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की उम्मीद है, जिसकी आपको हेल्प करने का अवसर मिलेगा। आज ऑफिस में आपको किसी नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिलेगी।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको नई जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये बहुत फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है। नई तकनीक के इस्तेमाल पर विचार-विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस में अपने दस्तावेज संभालकर रखने की जरूरत है। आज आपके घर में किसी आयोजन को लेकर उत्साह रहेगा। आपके दांपत्य संबंध में अच्छा सामंजस्य रहेगा इससे आपको भी खुशी होगी।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज आपको किसी यात्रा पर जाने का योग बन रहा है, जिससे आपको लाभ भी होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। अध्यात्म की तरफ आपका रुझान अधिक रहेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिये सामान्य रहने वाला है। आज किसी खास रिश्तेदार की मदद से आपका रुक हुआ काम समय पर पूरा ही जाएगा। आज आपके प्रति शत्रु भाव रखने वालों व्यक्तियों से सावधान रहें। किसी भी कार्य को करते समय मन एकाग्र रखेंगे तो काम आसानी से व बिना किसी व्यवधान के पूरा हो जायेगा। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे बिजनेस में आपका पूरा सपोर्ट करेंगे। जल्दबाजी में किए गए पूंजी निवेश से आपको थोड़ी बहुत टेंशन हो सकती है। सिनेमा जगत के कलाकारों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है। समस्याओं के लिए दूसरों लोगों को जिम्मेदार मानने से आपके रिश्तों में दरार आ सकती है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहने वाला है। आज आपके कार्यस्थल पर काम ज्यादा रहेगा। आज आपका किसी के प्रति अधिक आत्मविश्वास से नुकसान हो सकता है, इससे आपके पारिवारिक संबंध खराब हो सकते हैं। आप सामाजिक स्तर पर कुछ नए बदलाव करने की सोचेंगे आपको अनुभवी लोगों का साथ भी मिलेगा इससे आपका काम आसान हो जायेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज कारोबार संबंधी योजनाओं को अपरिचित लोगों के सामने जाहिर न करें, कोई इसकी नकल कर सकता है इससे आपको नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। मानसिक रूप से जिन लोगों के साथ परेशानी है, उसे दूर करने का उपाय मिलेगा और मेडिटेशन को रुटीन मे अपनाएंगे।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

ललित गर्ग

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है।

इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा।

कांग्रेस सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करती रही, गरीबी नहीं हटाई : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यसभा में विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ग्रामीण रोजगार योजनाओं के नाम बदलने को लेकर विपक्ष पर छोटी राजनीति करने और मोदी सरकार के तहत गरीबी में जी रहे लोगों को मिले वास्तविक लाभों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मूल रूप से एनआरईजीए) में किए गए बदलावों को लेकर हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए चौहान ने कहा कि यह योजना महात्मा गांधी के नाम के बिना शुरू की गई थी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए बाद में उनका नाम जोड़ा। उन्होंने बताया कि कई योजनाओं का नाम गांधी परिवार के पूर्व प्रधानमंत्रियों – जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी – के नाम पर रखा गया है। उन्होंने दावा किया कि इससे एक परिवार की छवि को बढ़ावा मिलता है। जब कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम का

उदाहरण देकर इसका खंडन किया, तो केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने हस्तक्षेप करते हुए स्पष्ट किया कि इसका नामकरण एक निजी संस्था द्वारा किया गया था, न कि सरकारी निधि से। चौहान ने पश्चिम बंगाल के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आवंटित धनराशि का मुद्दा उठाकर बहस को और बढ़ा दिया। तब तृणमूल कांग्रेस सांसद सुखेन्दु शेखर रॉय ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए पूछा कि क्या सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र को राज्य को लंबित धनराशि जारी करने का निर्देश दिया है। प्रमुख पहलों का बचाव करते हुए, चौहान ने गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना की प्रशंसा की। उन्होंने व्यंग्यपूर्वक कांग्रेस से पूछा कि आपने किसकी गरीबी दूर की? आप तो सिर्फ वोट बैंक की राजनीति में लगे रहे। चौहान ने कहा कि वह महापुरुषों का सम्मान करते हैं और उनके नाम सम्मान के साथ लेते हैं। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस ने नेता जी सुभाषचंद्र बोस, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, चंद्रशेखर आजाद, बिस्मिल, भगत सिंह और पूरे देश को एक सूत्र में बांधने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर कितनी योजनाओं का नाम रखा? उन्होंने कहा कि बजट में 95,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान वीबी जी राम जी योजना के लिए किया गया। राज्य सरकारों ने भी अपने अपने बजट में योजना के लिए प्रावधान किए हैं। चौहान ने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति निरंतर मजबूत हो रही है, केंद्र के साथ ही राज्य भी आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं और केंद्र की ओर से राज्यों को उनकी हिस्सेदारी भी दी जा रही है।

लीगल एजुकेशन कमीशन बनाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने दिया मई में सुनवाई का भरोसा

नई दिल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट लीगल एजुकेशन कमीशन बनाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर मई में सुनवाई का भरोसा दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह जनहित याचिका अच्छी है और इस पर गौर किया जा सकता है।एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय की तरफ से दाखिल याचिका में कहा गया है कि एक ऐसा आयोग बनाया जाना चाहिए जिसमें कानून के जाने-माने जानकार शामिल हों और वे नए सिलेबस और पाठ्यक्रम तैयार करें, ताकि कानूनी शिक्षा को आधुनिक और सभी के लिए सुलभ बनाया जा सके।याचिका में यह भी बताया गया है कि अब भी भारत में अधिकांश लॉ कोर्स पांच साल के इंटीग्रेटेड बीए-एलएलबी या बीबीए-एलएलबी प्रोग्राम के रूप में चल रहे हैं। एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि जबकि अधिकांश कोर्स चार साल के होते हैं, पांच साल का यह कोर्स छात्रों के लिए समय और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ा देता है। खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के छात्र इस लंबी अवधि और खर्च को लेकर परेशान हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसी वजह से यह कोर्स सबसे बेहतरीन टैलेंट को अपनी ओर खींचने में नाकाम रह रहा है।सीजेआई सूर्यकांत ने इस मामले पर कहा कि कानूनी शिक्षा एक अलग मुद्दा है और कानूनी शिक्षा की गुणवत्ता भी एक अलग बात है।

204 पूर्व अधिकारियों ने लिखा खुला पत्र; संसद में राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाए, माफी की मांग

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के 204 पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने संसद की गरिमा को लेकर चिंता जताते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। इन हस्ताक्षरकर्ताओं में 116 सेवानिवृत्त सशस्त्र बल अधिकारी, 84 सेवानिवृत्त नौकरशाह (जिनमें 4 राजदूत शामिल हैं) और 4 वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हैं। जारी पत्र में कहा गया है कि भारत की संसद देश की संवैधानिक व्यवस्था का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है, जहां जनता की आवाज को अभिव्यक्ति मिलती है, कानून बनाए जाते हैं और गणराज्य की बुनियाद मजबूत होती है। ऐसे में संसद की गरिमा केवल परंपरा का विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा का अहम हिस्सा है। संसद भवन के भीतर सांसदों का आचरण उच्चतम मानकों के अनुरूप होना चाहिए। लोकसभा और राज्यसभा के कक्षों के साथ-साथ संसद परिसर के अन्य हिस्से (जैसे सीढ़ियां, गलियारे और लॉबी) भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं और वहां भी उसी गरिमा का पालन किया जाना चाहिए। हस्ताक्षरकर्ताओं ने 12 मार्च की घटना पर विशेष चिंता जताई। उनके अनुसार, उस दिन माननीय स्पीकर द्वारा संसद परिसर में किसी भी तरह के प्रदर्शन या विरोध पर स्पष्ट रोक लगाने के बावजूद विपक्ष ने इस निर्देश की अनदेखी की। खुले पत्र में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने जानबूझकर इस आदेश का उल्लंघन किया, जो न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि संसदीय परंपराओं के प्रति अनादर भी दर्शाता है।

पश्चिम एशिया में फंसे भारतीयों की सुरक्षा पर मंथन, विदेश मंत्रालय देगा ब्रीफिंग

नई दिल्ली (ए.)। संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति की बैठक कल होगी, जिसमें विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और स्वदेश वापसी के संबंध में सदस्यों को जानकारी देंगे। समिति को विदेश मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधियों द्वारा हाल ही में हुए इस्लामी शिखर सम्मेलन के परिणामों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति की अध्यक्षता कांग्रेस सांसद शशि थरूर कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच यह बैठक हो रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता, अयातुल्ला अली खामेनेई, 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त सैन्य हमलों में मारे गए थे। ईरान कई खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है और तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हो गई हैं।

हरियाणा राज्यसभा चुनाव : भाजपा और कांग्रेस ने एक-एक सीट जीती

चंडीगढ़(आरएनएस)। हरियाणा में सत्ताधारी भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने मंगलवार को राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनावों में एक-एक सीट पर जीत हासिल कर ली। इन चुनावों के दौरान वोट की गोपनीयता के उल्लंघन और क्रॉस-वोटिंग की शिकायत देखने को मिली। ये सीटें भाजपा के संजय भाटिया और कांग्रेस के करमवीर बौद्ध ने जीतीं। भाजपा समर्थित इंडिपेंडेंट कैंडिडेट सतीश नांदल को हार का सामना करना पड़ा। 88 विधायकों ने वोट डाला। इंडियन नेशनल लोकदल के दो विधायक अर्जुन चौटाला और आदित्य देवीलाल वोटिंग से दूर रहे। 90 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा के पास 48 सीटें हैं, कांग्रेस के पास 37 सीटें, इंडियन नेशनल लोकदल के पास दो सीटें और निर्दलीय उम्मीदवारों के पास तीन सीटें हैं। सोमवार शाम 4 बजे जब वोटों

की गिनती पूरी हुई, तो दोनों पार्टियों के नेताओं ने अपने-अपने उम्मीदवारों की जीत का दावा किया। हालाँकि, भारत निर्वाचन आयोग से हरी झंडी मिलने के बाद देर रात वोटों की गिनती शुरू हुई। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि चुनाव की निष्पक्षता में दखल देने की कोशिशें की जा रही हैं। मामले की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए, उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से अनुरोध किया कि नतीजों की घोषणा से पहले वे पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करें। हालांकि, भाजपा ने आरोप लगाया कि मतदान के दौरान कांग्रेस के दो विधायकों परमवीर सिंह और भारत सिंह बेनीवाल ने गोपनीयता का उल्लंघन किया।कांग्रेस ने परिवहन मंत्री अनिल विज पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया।

एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंचा जहाज नंदा देवी

भुज (आरएनएस)। भारतीय जहाज नंदा देवी मंगलवार को एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंच गया है। अधिकारियों ने इसी पुष्टि करते हुए कहा कि भारतीय जहाज नंदा देवी एलपीजी लेकर मंगलवार को सुबह लगभग 11.25 बजे गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंचा। इस हफ्ते एलपीजी लेकर पश्चिमी तट पर पहुंचने वाला नंदा देवी दूसरा जहाज है। इससे एक दिन पहले ‘शिवालिक’ मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा था। दोनों जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत पहुंचे हैं। जलडमरूमध्य ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष के कारण बाधित है। ईरान की ओर से अनुमति मिलने के बाद ये जहाज भारत पहुंचे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से ईरान की बढ़ती सैन्य कार्रवाई और चेतावनियों के चलते फरवरी के अंत से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही में भारी कमी आई है। सोमवार को कांडला बंदरगाह के अधिकारियों ने निर्देश जारी किया था कि एलपीजी ले जाने वाले सभी जहाजों को प्राथमिकता के आधार पर लंगर डालने की अनुमति दी जाए ताकि माल की अनलोडिंग में तेजी लाई

जा सके और देरी को कम किया जा सके।

दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण ने जहाज एजेंटों को भेजे गए एक परिपत्र में कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने बंदरगाहों को एलपीजी से लदे जहाजों को प्राथमिकता के आधार पर लंगर डालने का निर्देश दिया है ताकि देश भर में खाना पकाने की गैस का निर्बाध वितरण सुनिश्चित किया जा सके। कतर से लगभग 46,000 टन एलपीजी लेकर आने वाले शिवालिक जहाज ने अपनी नौ दिवसीय यात्रा पूरी की और सोमवार शाम को मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा था। बंदरगाह अधिकारियों ने पहले से ही डॉक्यूमेंटेशन और डॉकिंग की व्यवस्था कर ली थी ताकि बिना किसी देरी के माल उतारने का काम शुरू किया जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि ये दोनों जहाज घरेलू और औद्योगिक उपयोग के लिए एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा हैं, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए आयात पर निर्भर है।नंदा देवी के पहुंचने के साथ ही, संयुक्त अरब अमीरात से लगभग 81,000 टन कच्चा तेल लेकर आ रहा एक अन्य जहाज ‘जग लाडकी’ रास्ते में है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, फारस की खाड़ी क्षेत्र में होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में 22 भारतीय ध्वज वाले जहाज मौजूद थे, जिनमें कुल 611 नाविक सवार थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के वृंदावन दौरे से पहले हाई अलर्ट, चश्मा चोर बंदरों को डराएंगे लंगूर के कटआउट

मथुरा (ए.)। उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन से पहले, वृंदावन के कुख्यात बंदरों से निपटने के लिए अधिकारी तेजी से तैयारी कर रहे हैं। अधिकारियों ने लंगूर के पुतले लगाने और वन विभाग की टीमों को तैनात करने की योजना बनाई है ताकि ये जानवर राष्ट्रपति के चश्मे न छीन सकें। ये असामान्य तैयारियां ऐसे समय में की जा रही हैं जब मुर्मू 19 मार्च को तीन दिवसीय दौरे पर मथुरा आ रही हैं, जिसमें वृंदावन और गोवर्धन भी शामिल हैं। वृंदावन में बंदर चश्मे छीनने और उन्हें भोजन के बदले लौटाने के लिए जाने जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि वृंदावन और गोवर्धन के बंदरों से प्रभावित क्षेत्रों में गुलेल और लाठियों से लैस वन विभाग के कर्मियों की टीमें तैनात की जाएंगी। लगभग 30 कर्मियों को तैनात किया जाएगा, जिनमें से आठ कर्मचारियों को बंदरों की अधिकता वाले क्षेत्रों में और तीन को अपेक्षाकृत कम प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर बंदरों को डराने के लिए टीमें लाल और हरी लेजर लाइट भी साथ रखेंगी। एक नए कदम के तहत, अधिकारी प्रमुख स्थानों पर लंगूर की मूर्तियां स्थापित करेंगे। इस कदम का उद्देश्य बंदरों को रोकना है, जो आमतौर पर लंगूरों से दूर रहते हैं। पहले, प्रशिक्षित संचालक वीआईपी दौरों के दौरान जीवित लंगूरों को तैनात करते थे, लेकिन वन्यजीव नियमों के अनुसार अब उनका उपयोग प्रतिबंधित है। अधिकारियों ने इसके बजाय वैकल्पिक उपाय के रूप में मूर्तियों का सहारा लिया है। मुर्मु वृंदावन के प्रमुख मंदिरों और स्थलों का दौरा करेंगे और रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम चैरिटेबल अस्पताल में एक नए कैंसर ब्लॉक का उद्घाटन करेंगे। 21 मार्च को वह गोवर्धन पर्वत की 21 किलोमीटर लंबी पारंपरिक परिक्रमा भी करेंगी। अधिकारियों ने बताया कि बंदरों के कारण होने वाली किसी भी बाधा से मुक्त और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करना उनकी प्रमुख प्राथमिकता बन गई है।

ईरान में भारत का कूटनीतिक ‘मास्टरस्ट्रोक’, दुश्मन देशों को एक मंच पर लाकर 640 भारतीयों का हैरतअंगेज रेस्क्यू

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में लगातार गहराते युद्ध के संकट के बीच ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए भारत ने एक ऐसा कूटनीतिक चमत्कार कर दिखाया है, जिसे सामान्य तौर पर असंभव माना जाता था। भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय की अभूतपूर्व सक्रियता के चलते ईरान से भारतीयों को सड़क मार्ग के जरिए अर्मेनिया और अजरबेजान सुरक्षित पहुंचाया जा रहा है। सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि अर्मेनिया और अजरबेजान न सिर्फ एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन हैं, बल्कि भारत के साथ भी अजरबेजान के रिश्ते काफी तनावपूर्ण रहे हैं। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान अजरबेजान ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया था, लेकिन भारत की कूटनीतिक ताकत के आगे अब उसने भी मदद के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं।

दो दिन में 640 नागरिकों का सफल रेस्क्यू, 284 श्रद्धालु भी शामिल

इस बेहद जटिल और तनावपूर्ण माहौल के बावजूद पिछले दो दिनों के भीतर ईरान से 640 भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इनमें से 550 नागरिकों को अर्मेनिया और 90 भारतीयों को अजरबेजान की सीमा में सफलतापूर्वक पहुंचाया गया है, जहां से अब उन्हें स्वदेश या अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेजने की पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मिशन की जानकारी देते हुए बताया कि तेहरान से बाहर निकाले गए इन नागरिकों में 284 वे श्रद्धालु शामिल हैं, जो वहां धार्मिक यात्रा पर गए हुए थे। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस वक्त ईरान में लगभग 9,000 भारतीय रह रहे हैं, जिनमें सबसे बड़ी संख्या पढ़ाई करने गए छात्रों की है।

एलपीजी सप्लाई संकट पर सरकार का डबल एक्शन, विवेकपूर्ण उपयोग की अपील, कालाबाजारियों पर ताबड़तोड़ छापे

द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की संभावित कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, केंद्र ने सोमवार को ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग का आग्रह किया और पाइपलाइन द्वारा प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के बुनियादी ढांचे के विस्तार को बढ़ावा देने का संकेत दिया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (विपणन एवं तेल शोधन) सुजाता शर्मा ने प्रेस वार्ता में बताया कि पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। प्राकृतिक गैस के संबंध में, जैसा कि मैंने आपको बताया, भारत सरकार प्रयास कर रही है और यदि सभी वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ता पीएनजी (पेट्रोल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) पर निर्भर हो जाएं तो यह लाभकारी होगा। शर्मा ने बताया कि प्रवर्तन कार्रवाई के संबंध में, अब तक पिछले कुछ दिनों में लगभग बारह हजार छापे मारे गए हैं। लगभग पंद्रह हजार सिलेंडर जब्त किए गए हैं। कल दिल्ली में लगभग छह सौ सिलेंडर जब्त किए गए। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में लगभग चार सौ पचास निरीक्षण और छापे मारे गए हैं। दस लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। जम्मू और कश्मीर में पांच सौ चौंसठ छापे मारे गए हैं, एफआईआर दर्ज की गई हैं और गिरफ्तारियां भी की गई हैं। केरल में लगभग एक हजार छापे और निरीक्षण किए गए हैं और घरेलू और व्यावसायिक सिलेंडर जब्त किए गए हैं। मध्य प्रदेश में भी लगभग बारह सौ छापे मारे गए हैं और लगभग अठारह सौ सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसके अलावा, हमारी तेल विपणन कंपनियों की निरीक्षण टीमों को भी सक्रिय किया गया है और लगभग ढाई हजार खुदरा दुकानों और

एलपीजी वितरकों पर अचानक निरीक्षण किए गए हैं। भारत सरकार के जहाजरानी मंत्रालय के राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में हमारे सभी नाविक और जहाज सुरक्षित हैं... पिछले 24 घंटों में, खाड़ी क्षेत्र में अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद 161 भारतीय नाविकों को स्वदेश वापस भारत लाया गया है। यह कार्य हमारे दूतावासों और मिशनों के समन्वय से किया गया। दूसरा एलपीजी वाहक, नंदा देवी, आज सुबह लगभग 2:30 बजे कांडला पहुंचा, और अब दोनों एलपीजी वाहकों, शिवालिक और नंदा देवी से माल उतारा जा रहा है। कई जहाजों से माल उतारा जा रहा है। नंदा देवी से माल उतारने की प्रक्रिया जहाज-से-जहाज, यानी मुख्य जहाज से सहायक जहाज तक है। यह प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। बंदरगाह पर जहाजों की आवाजाही और माल संचालन को सुचारू बनाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

‘इस्लामोफोबिया की काल्पनिक कहानियां गढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ता है पाकिस्तान’, यूएन में भारत ने पाक को दिखाया आईना

नई दिल्ली (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरिश ने एक बार फिर धार्मिक पहचान को राजनीतिक हथियार बनाए जाने की प्रवृत्ति पर चिंता जताई है। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान पर भी तीखा हमला बोला।

हरिश ने कहा कि आज दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि धार्मिक पहचान का राजनीतिक इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है और इसमें राज्य तथा गैर-राज्य दोनों तरह के तत्व शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पश्चिमी पड़ोसी पाकिस्तान ने अपने आसपास के क्षेत्रों में इस्लामोफोबिया की काल्पनिक कहानियां गढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के खिलाफ हो रहे क्रूर दमन को क्या कहा जाएगा। इसके अलावा अफगान नागरिकों को बड़ी संख्या में जबरन वापस भेजे जाने और रमजान के पवित्र महीने के दौरान हवाई हमलों की घटनाओं को किस श्रेणी में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि जो देश खुद इन मुद्दों में घिरा हुआ है, वही दूसरों पर आरोप लगाने में सबसे आगे रहता है।

बिहार में बड़ा एनकाउंटर, मार गिराए दो वांछित अपराधी; एक पुलिसकर्मी भी शहीद

मोतिहारी(आरएनएस)। बिहार पुलिस इन दिनों अपराधियों के खिलाफ लगातार एक्शन में है। इस बीच, पूर्वी चंपारण जिले में मुठभेड़ में पुलिस ने दो वांछित अपराधियों को मार गिराया। इस घटना में एक पुलिसकर्मी भी शहीद हो गया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना पूर्वी चंपारण जिले के चकिया थाना के रामडीहा गांव की है, जहां पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें दो अपराधी मारे गए हैं। मारे गए अपराधियों की पहचान कुंदन ठाकुर और प्रियांशु दुबे के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि कुंदन ठाकुर अपने गिरोह के सदस्यों के साथ हथियार के साथ अपने दोस्त के घर पर छिपा हुआ है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस जब वहां पहुंची, तब अपराधियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस फायरिंग में एक कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। तत्काल उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। इस क्रम में पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें चकिया का रहने वाला कुंदन ठाकुर और उसका सहयोगी मुजफ्फरपुर के साहेबगंज का रहने वाला प्रियांशु कुमार को गोली लग गई। उन्हें भी घायल अवस्था में अस्पताल लाया गया, जहां दोनों की मौत हो गई। घटनास्थल से उज्जवल कुमार और संत कुमार तिवारी को गिरफ्तार किया गया है।

नई दिल्ली में घरेलू कोयला उत्पादन में तेज़ी लाने पर हितधारकों के साथ परामर्श बैठक में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी।

नित्यानंद राय बोले- दो चरणों में होगी जनगणना, ऑनलाईन का भी मिलेगा विकल्प

नई दिल्ली (ए.)। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 17 मार्च को बताया कि जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में घरों की सूची बनाना और आवास संबंधी आंकड़े एकत्र करना शामिल होगा, जिसके बाद जनसंख्या गणना की जाएगी। राय ने बताया कि पहले चरण के प्रश्न अधिसूचित किए जा चुके हैं, जबकि दूसरे चरण के प्रश्न जनसंख्या गणना शुरू होने से पहले अंतिम रूप देकर अधिसूचित कर दिए जाएंगे। पिछले जनगणना अभ्यासों की तरह, दूसरे चरण में विकलांगता संबंधी आंकड़े भी शामिल किए जाने की उम्मीद है। प्रश्नावली को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, इस अभ्यास की

तैयारियों में विस्तृत निर्देश पुस्तिकाएँ और प्रशिक्षण उपकरण शामिल होंगे। इन्हें हितधारकों के परामर्श से विकसित किया जाएगा, जिसके बाद जनगणना कर्मचारियों, जिनमें गणनाकर्ता और पर्यवेक्षक शामिल हैं, के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। गणनाकर्ता निर्धारित ब्लॉकों में घर-घर जाकर डेटा एकत्र करेंगे। स्व-गणना की एक वैकल्पिक व्यवस्था भी उपलब्ध होगी, जिससे परिवार का कोई भी सदस्य ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से विवरण जमा कर सकेगा। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण के प्रश्नों को अंतिम रूप देने और अधिसूचित किए जाने के बाद, संबंधित हितधारकों के परामर्श से निर्देश पुस्तिका और प्रशिक्षण उपकरण किट तैयार किए जाते हैं तथा गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों सहित जनगणना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है।

मलाइका ने नया लाइफस्टाइल एक्सेसरी ब्रांड 'मेजॉय' किया लॉन्च

मुंबई (ए.)। फैशन की दुनिया में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोरा ने अपना नया लाइफस्टाइल एक्सेसरी ब्रांड 'मेजॉय' लॉन्च किया है। 'मेजॉय' की शुरुआत एक बड़े और आकर्षक कलेक्शन के साथ की गई है, जिसमें 250 से ज्यादा अलग-अलग डिजाइन शामिल हैं। इस ब्रांड को उन्होंने एक्सीड इंटरनेशनल और मंत्रा जाबांग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर तैयार किया है। इस कलेक्शन में खास तौर पर हैंडबैग और लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी को प्रमुखता दी गई है। ब्रांड के पहले कलेक्शन में हैंडबैग के कई स्टाइल पेश किए गए हैं, जिनमें क्रॉसबॉडी बैग, स्ट्रक्चर्ड शोल्डर बैग, बकेट बैग, टोट बैग, ऑफिस के लिए क्लासिक बैग, बैकपैक और क्लच जैसे विकल्प शामिल हैं। इन बैग्स को सिंथेटिक लेदर, ब्रेडेड डिजाइन, साटन, राइनस्टोन और मेटैलिक फिनिश जैसे अलग-अलग मटेरियल से तैयार किया गया है। हर डिजाइन को इस तरह बनाया गया है कि वह फैशनेबल होने के साथ-साथ रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए भी सुविधाजनक रहे।

मुंबई में एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी से घबराईं ट्विंकल खन्ना; अक्षय कुमार बोले- 'मेरी बीवी ने कल ही'

मुंबई में एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी हो गई है। इसके चलते शहरवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने मुंबई में एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी पर प्रतिक्रिया दी है। जानिए एक्टर ने क्या कुछ कहा

मुंबई समेत कई मेट्रो सिटीज में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत की समस्या सामने आ रही है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने भी मुंबई में एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए एलपीजी सिलेंडर की मौजूदा कमी पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अभिनेता मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम के साथ बीएमसी के मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने नगर निगम की 'मुंबई क्लीन लीग' नामक शहरव्यापी स्वच्छता प्रतियोगिता की शुरुआत की घोषणा की। इसी दौरान एक्टर ने एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी पर भी बात की।

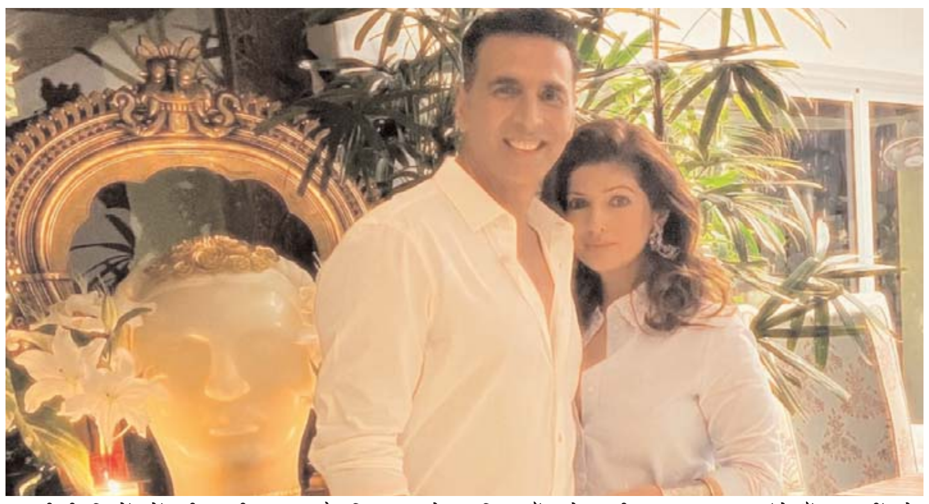

ट्विंकल खन्ना ने ऑर्डर किए इंडक्शन

मीडिया से बातचीत के दौरान अक्षय से एलपीजी सिलेंडरों की कमी पर उनके विचार पूछे गए। इस एक्टर ने कहा, 'अभी तक तो कोई समस्या नहीं है। मेरी पत्नी ने कल ही 2 इंडक्शन ऑर्डर किए हैं। वो अभी तक घर पर पहुंचे हैं या नहीं, ये मुझे नहीं पता।'

मुंबई और आसपास के इलाकों में हुई एलपीजी सिलेंडर की कमी

मुंबई और आसपास के इलाकों में एलपीजी की कमी की समस्या सामने आई है।

इस बीच महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने बताया कि बढ़ती कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए राज्य ने लिक्विड पेट्रोलियम गैस के ट्रांसपोर्टेशन और डिस्ट्रीब्यूशन के लिए पुलिस सुरक्षा ली है। भुजबल ने कहा कि यह कदम एलपीजी सिलेंडरों की अवैध बिक्री की बढ़ती घटनाओं के जवाब में उठाया गया है।

'भूत बंगला' में नजर आएंगे अक्षय

वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आएंगे। अभिनेता इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

बचपन से जानती हूं सलमान खान को : फराह खान

मुंबई (ए.)। हाल ही में बॉलीवुड की मशहूर डायरेक्टर और कोरियोग्राफर फराह खान को लेकर एक ऐसा किस्सा साझा किया, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। दरअसल, फराह खान हाल ही में रनवीर अलाहाबादिया के पॉडकास्ट में शामिल हुई थीं। इस बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी से जुड़े कई दिलचस्प अनुभव साझा किए। इसी दौरान उन्होंने बताया कि वह सलमान खान को बचपन से जानती हैं और दोनों के बीच काफी पुरानी दोस्ती है। फराह ने बताया कि जब सलमान अपनी फिल्म मैंने प्यार किया के ऑडिशन के लिए जाया करते थे, तब वह कई बार उन्हें अपने साथ लेकर जाते थे। उस समय फराह उन्हें डांस सिखाने के लिए वहां गई थीं, लेकिन उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह वहां से कुछ ही घंटों में वापस लौट आई थीं।

बातचीत के दौरान फराह खान ने सलमान खान के अभिनय से जुड़ा एक भावुक पल भी याद किया। उन्होंने बताया कि फिल्म जानेमन की शूटिंग के दौरान सलमान ने एक सीन में इतना भावुक अभिनय किया कि वह सचमुच रो पड़े थे। यह दृश्य ब्रुकलिन ब्रिज पर फिल्माया जा रहा था और उस वक्त सलमान का दर्द और भावनाएं बेहद वास्तविक नजर आ रही थीं। फराह ने कहा कि सलमान को इस तरह फूट-फूटकर रोते देख वह खुद भी अपने आंसू नहीं रोक पाईं। उनके मुताबिक यह सलमान खान के करियर के सबसे सच्चे और बेहतरीन अभिनय क्षणों में से एक था। फराह खान का मानना है कि सलमान खान के भीतर एक संवेदनशील इंसान छिपा है, जो कई बार उनके अभिनय में भी दिखाई देता है। यही वजह है कि उनके साथ बिताए कई पल आज भी उनकी यादों में खास जगह रखते हैं।

जिंदगी एक शतरंज की तरह : महह चहल

मुंबई (ए.)। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अभिनेत्री महक चहल ने एक ऐसी तस्वीर साझा की, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अभिनेत्री पोस्ट में शतरंज खेलती नजर आ रही हैं और इसके साथ उन्होंने जिंदगी को लेकर एक दिलचस्प संदेश भी साझा किया है। महक चहल तस्वीर

में शतरंज की बिसात के सामने बैठी दिखाई दे रही हैं। तस्वीर में उनका अंदाज बेहद शांत और गंभीर नजर आ रहा है, मानो वह अपनी अगली चाल के बारे में गहराई से सोच रही हों। शतरंज की बिसात पर सजे मोहरों को ध्यान से देखते हुए उनका यह अंदाज काफी प्रभावशाली लग रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने एक खास संदेश भी लिखा, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। महक ने कैप्शन में लिखा, "जिंदगी काफी हद तक शतरंज की तरह है। कुछ चालें आपको जीत दिलाती हैं और कुछ से आप सीखते हैं। दोनों ही तरह से, यह सब खेल का हिस्सा है।" उनके इस विचार को सोशल मीडिया पर काफी सराहना मिल रही है और कई लोग इसे प्रेरणादायक बता रहे हैं।

अभिनेत्री के इस पोस्ट पर फैंस लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई यूजर्स ने उनके संदेश को जीवन से जुड़ी एक बड़ी सीख बताया है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि जिंदगी सच में शतरंज की तरह होती है, जहां हर चाल हमें कुछ न कुछ सिखाती है। वहीं एक अन्य प्रशंसक ने लिखा कि यह केवल शतरंज का खेल नहीं, बल्कि जीवन का गहरा संदेश है।

नयनतारा पर टिप्पणी करने पर बुरे फंसे शनमुगम, साउथ आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने लिखा पत्र; की माफी की मांग

सांसद सी. वी. शनमुगम ने हाल ही में साउथ अभिनेत्री नयनतारा पर आपत्तिजनक और महिला-विरोधी टिप्पणी की थी। जिसे लेकर आज साउथ आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने एक पत्र सी.वी. शनमुगम के नाम पर लिखा है। उन्होंने शनमुगम से नयनतारा पर किए गए हालिया भाषण पर माफी की मांग की है।

साउथ आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने लिखा पत्र

साउथ आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने सांसद सी.वी. शनमुगम के नाम पर एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा, 'हमें आपके हाल के भाषण का एक बहुत ही अपमानजनक और शर्मनाक वीडियो मिला है। आपने संसद की गरिमा को पूरी तरह भुला दिया और एक सार्वजनिक जगह पर बहुत गंदी-बुरे शब्दों में बात की। इसमें आपने हमारी साथी अभिनेत्री नयनतारा को भी बिना वजह घसीटा। क्या आपकी पार्टी या विचारधारा आपको ऐसे शब्द सिखाती है?

पत्र में आगे लिखा, 'क्या आपके नेता आपको ऐसे बोलने के लिए कहते हैं, या वे इस तरह की बातों का समर्थन करते हैं? आप अभी भी लोगों द्वारा चुने हुए सांसद हैं, इसलिए हम, फिल्म इंडस्ट्री के सभी लोग आपसे इस पर माफी की मांग करते हैं। हम यह भी चाहते हैं कि आप भविष्य में हमारे इंडस्ट्री की महिलाओं के बारे में कभी भी अपमानजनक या बुरी बातें न बोलें।'

शनमुगम की टिप्पणी

हाल ही में सांसद सी.वी. शनमुगम ने छ्रम्ध सरकार और मुख्यमंत्री स्टालिन पर तंज कसते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति नयनतारा से शादी करने का सपना देखता है, तो क्या सरकार उस सपने को पूरा कर देगी? यह टिप्पणी महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक बताई जा रही है। DMK समेत कई अन्य राजनीतिक दलों ने इसकी कड़ी निंदा की है। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने AIADMK सांसद को खूब आलोचना की और बुरी-भली सुनाई। हालांकि, नयनतारा ने अभी तक इस टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सोहेल कथूरिया से तलाक के बाद हंसिका मोटवानी पहुंचीं स्वर्ण मंदिर, किए दर्शन; शेयर की तस्वीरें

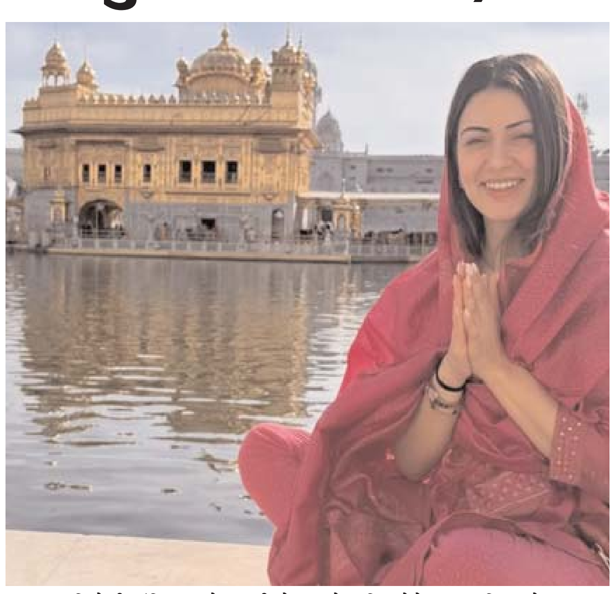

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने अपने पति सोहेल कथूरिया से तलाक ले लिया है। तलाक के बाद वह हाल ही में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पहुंचीं। वहां उन्होंने कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज दिए। उनकी खुशी उनके चेहरे पर साफ नजर आ रही है।

हंसिका ने शेयर की तस्वीरें

हंसिका ने अपने इंस्टाग्राम पर स्वर्ण मंदिर की कई फोटो शेयर की हैं। इन तस्वीरों में हंसिका स्वर्ण मंदिर के दर्शन के दौरान बेहद खुश नजर आ रही हैं। उन्होंने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, वाहेगुरु दी मेहर नाल।

हंसिका और सोहेल का तलाक

हंसिका और सोहेल की शादी दिसंबर 2022 में जयपुर के मुंडोता किले में बहुत धूमधाम से हुई थी। लेकिन शादी के करीब 4 साल बाद ही उनका रिश्ता टूट गया। मुंबई के बांद्रा फैमिली कोर्ट ने दोनों को आपसी सहमति से तलाक दे दिया।

क्या थी तलाक की वजह?

दरअसल, पिछले साल से ही हंसिका और सोहेल के बीच अनबन की खबरें आ रही थीं। हंसिका ने अपने इंस्टाग्राम से सोहेल के साथ वाली कई तस्वीरें और वीडियो हटा दिए थे। दोनों के स्वभाव, विचार और जीवनशैली में काफी अंतर था। छोटी-छोटी बातों पर अक्सर झगड़े होते थे, जिससे साथ रहना मुश्किल हो गया। हंसिका ने तलाक के लिए खुद अदालत में अर्जी दी थी। उन्होंने गुजारा भत्ता की कोई मांग नहीं की। दोनों के परिवार और दोस्तों ने उन्हें मनाने की बहुत कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। वे जुलाई 2024 से अलग-अलग रह रहे थे।

हंसिका का क्रिप्टिक पोस्ट

तलाक के बाद हंसिका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें लिखा 'हमेशा 'चढ़दी कला'। चढ़दी कला सिख धर्म का एक खूबसूरत विचार है, जिसका मतलब है- मुश्किल समय में भी हौसला, आशा और उत्साह बनाए रखना।

द केरल स्टोरी 2' ने तीसरे सडे मचा दिया गदर, धुआंधार छापे नोट

द केरल स्टोरी 2' में उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने लीड रोल प्ले किया है. काफी विवादों और काफी कानूनी पचड़े में फंसने के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म किया है.. यहां तक कि अपने तीसरे वीकेंड पर भी ये फिल्म इंडियन बॉक्स ऑफ़िस पर छाई रही. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे संडे कितना कारोबार किया है?

द केरल स्टोरी 2' को क्रिटिक्स से मिले जुले रिव्यू मिले थे लेकिन ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही और इसी के साथ ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से डटी हुई है. इसने जहां पहले हफ्ते में 23.28 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया था तो वहीं दूसरे वीकेंड में इस फिल्म की कमाई 17.07 करोड़ रुपये रही. इसके बाद तीसरे शुक्रवार यानी 15वें दिन इसने 1.50 करोड़ रुपये कमाए.

कविताओं की किताब पर काम कर रही लिसा रे

मुंबई (ए.)। सोशल मीडिया पर कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे अक्सर अपने विचारों और अनुभवों को साझा करती रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने एक खास नोट के जरिए बताया कि वह इन दिनों अपनी कविताओं की किताब पर काम कर रही हैं। अपने अकाउंट इंस्टाग्राम पर जानकारी देते हुए अभिनेत्री ने बताया कि शब्द हमेशा से उनके लिए सहारा रहे हैं और अब वह अपनी कविताओं को एक किताब के रूप में पाठकों तक पहुंचाने की तैयारी कर रही हैं। लिसा रे ने अपने नोट में लिखा कि जब भी जीवन उलझा हुआ और जटिल लगता है, तब भाषा और शब्द उन्हें स्थिरता देते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक ऐसी शांत और सुरक्षित जगह बनाई थी, जहां वह अपनी कविताएं साझा कर सकें। अब उन्हें महसूस हो रहा है कि इस रचनात्मक यात्रा को व्यापक रूप से लोगों के सामने लाने का सही समय आ गया है।

अभिनेत्री के अनुसार वह धीरे-धीरे और निजी तौर पर अपनी कविताओं की एक किताब पर काम कर रही हैं, जिसे जल्द ही प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने अपने संदेश में यह भी लिखा कि कठिन और अंधेरे समय में लोग कला, संगीत और भाषा के जरिए अपने मन का बोझ हल्का करते हैं। इसी प्रक्रिया में सृजन और अभिव्यक्ति इंसान को मानसिक ताकत देती है। अभिनेत्री ने बताया कि उनके दूसरे घर दुबई में हाल की घटनाओं को देखना उनके लिए काफी कठिन रहा है।

हालांकि यूनाइटेड अरब अमीरात के नागरिक अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं और वहां की नेतृत्व व्यवस्था मजबूत है, लेकिन अनिश्चितता और दोस्तों से मिल रहे संदेशों ने माहौल को भावनात्मक रूप से भारी बना दिया है। अपनी पोस्ट में लिसा रे ने एक नई कविता की पंक्तियां भी साझा कीं, जो उनके मन में सुबह के समय आई थीं। उन्होंने बिना किसी बदलाव के उस कविता को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। अभिनेत्री ने बताया कि यह कविता खास तौर पर उन लोगों के लिए है, जो अस्थिर और कठिन परिस्थितियों में जीवन जी रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पति का बचपन लेबनान में बीता, जहां कभी-कभी ऊपर से मिसाइलें गिरने जैसी भयावह परिस्थितियां भी देखनी पड़ती थीं।

यह कविता उनके साहस, उनके परिवार की दृढ़ता और दुनिया भर के उन परिवारों को समर्पित है, जिनकी रोजमर्रा की जिंदगी में सायरन की आवाज भी शामिल रही है। लिसा रे ने अपनी कविता की एक खास पंक्ति भी साझा की, जिसमें लिखा है, "जब आप पंखुड़ियों की ओर हाथ बढ़ाते हैं और सिर गायब होता है।" उन्होंने बताया कि यह पंक्ति उनकी बहन के आने वाले उपन्यास 'द फर्स्ट हाउस' से प्रेरित है। अभिनेत्री के अनुसार कला एक-दूसरे से जुड़ती है और लोग एक-दूसरे के शब्दों से साहस हासिल करते हैं। अंत में उन्होंने कहा कि अगर समय अनिश्चितताओं से भरा हो, तो उसका जवाब सृजन, सहानुभूति और अपनी आवाज उठाकर देना चाहिए।

विराट कोहली ने आरसीबी की ऑल टाइम इलेवन चुनी, मोहम्मद सिराज को नहीं दी जगह

नईदिल्ली,(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत 28 मार्च को होगी। आगामी संस्करण से कुछ दिन पहले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की अपनी ऑल टाइम इलेवन चुनी है। उन्होंने अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम में पूर्व दिग्गज एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल जैसे बड़ी खिलाड़ियों को जगह दी है। हालांकि, उन्होंने सितारों से सजी इस टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नहीं चुना है। आइए उनकी टीम पर एक नजर डालते हैं।

कोहली ने गेल और डिविलियर्स के अलावा अपनी टीम में केएल राहुल, रजत पाटीदार को दिनेश कार्तिक को चुना है। बता दें कि पाटीदार की कप्तानी में ही आरसीबी ने पिछले सीजन में लीग इतिहास में पहली बार खिताब जीता था। वहीं गेंदबाजों में मिचेल स्टार्क और युजवेंद्र चहल को जगह दी है। दिग्गज स्पिनर चहल आरसीबी की ओर से खेलते हुए 100 से भी ज्यादा विकेट चटका चुके हैं।कोहली ने अनिल कुंबले और हर्षल पटेल को भी चुना। उन्होंने पूर्व दिग्गज को टीम में लेते हुए कहा, आठवें नंबर पर अनिल भाई (कुंबले) को रखूंगा। ऐसे में यह एक जबरदस्त टीम होगी। उन्होंने आगे कहा, मैं हर्षल (पटेल) को भी टीम में चुनूंगा, क्योंकि उनमें थोड़ी-बहुत बल्लेबाजी की काबिलियत भी है। और वह तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर एकदम सही बैठते हैं। वह अलग-अलग फेज में गेंदबाजी करते रहे हैं। कोहली ने अपनी ऑल टाइम इलेवन में सिराज को नहीं चुना। बता दें कि सिराज (2018-2024) आरसीबी में कोहली की कप्तानी में टीम के प्रमुख गेंदबाज हुआ करते थे। उन्होंने डेल स्टेन और मिचेल स्टार्क के रूप में 2 विदेशी तेज गेंदबाजों को जगह दी। कोहली की ऑल टाइम इलेवन- क्रिस गेल, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, केएल राहुल, रजत पाटीदार, दिनेश कार्तिक, हर्षल पटेल, अनिल कुंबले, मिचेल स्टार्क, डेल स्टेन, और युजवेंद्र चहल।

पाकिस्तान ने आखिरी ओवर के दौरान लिए गए बांग्लादेश के रिव्यू को लेकर शिकायत दर्ज कराई

नईदिल्ली,(ए.)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने तीसरे वनडे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 11 रन से हराया। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने 3 मैचों की वनडे सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। तीसरे वनडे में पाकिस्तान की आखिरी ओवर के दौरान बांग्लादेश ने रिव्यू लिया था, जिस पर काफी विवाद भी हुआ था। इस रिव्यू को लेकर के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शिकायत दर्ज कराई है। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।यह मामला मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना के उस फैसले से जुड़ा था, जिसमें उन्होंने आखिरी ओवर की 5वीं गेंद पर बांग्लादेश को रिव्यू लेने की इजाजत दी थी। क्रिकबज को एक सूत्र ने बताया, पाकिस्तान टीम प्रबंधन का मानना है कि बांग्लादेश ने रिव्यू तब लिया, जब बड़ी स्क्रीन पर उस गेंद का रीप्ले दिखाया गया। इसी वजह से मैच खत्म होने के बाद टीम प्रबंधन रेफरी के पास गया और उन्हें अपनी इस बात की जानकारी दी। उस विवादित डीआरएस के बाद, कोच माइक हेसन ने मैच रेफरी नियमुर राशिद से शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि यह साफ नहीं है कि पीसीबी इस शिकायत से क्या नतीजा चाहता है। खबरों के मुताबिक, मैच रेफरी ने हेसन से मुलाकात की और उन्हें पूरी स्थिति विस्तार से समझाने की कोशिश की। राशिद ने यह भी स्पष्ट किया कि मेजबान टीम ने किसी भी तरह का कोई अनुचित फायदा नहीं उठाया।

'क्या एक टूर्नामेंट जीतना भारतीयों की जान से ज्यादा कीमती है?', पाकिस्तानी खिलाड़ी को करोड़ों देने पर भड़के सुनील गावस्कर

नई दिल्ली(ए.)। इंग्लैंड की 'द हंड्रेड' लीग में भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी द्वारा एक पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदे जाने के बाद क्रिकेट जगत में भारी बवाल मच गया है। सन ग्रुप की मालकिन काव्या मारन की टीम 'सनराइजर्स लीड्स' ने हाल ही में हुई नीलामी में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को भारी-भरकम रकम देकर अपनी टीम में शामिल किया है। इस फैसले पर भारत में सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट ही रहा था कि अब महान भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भी बेहद तल्ख टिप्पणी कर दी है। उन्होंने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए साफ कहा है कि किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी को करोड़ों की फीस देना अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय सैनिकों और नागरिकों की मौत में योगदान देने जैसा है।द हंड्रेड लीग की नीलामी में सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को 1 लाख 90 हजार पाउंड यानी करीब 2.3 करोड़ रुपये की मोटी बोली लगाकर खरीदा है। मामला यहीं नहीं रुका, टीम के कोच डेनियल वेटोरी ने नीलामी के बाद यह भी कह दिया कि एक और पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक भी उनकी राडार पर थे। इसी बात पर भड़कते हुए सुनील गावस्कर ने 'मिड-डे' के अपने कॉलम में लिखा कि भारतीय फ्रेंचाइजी के इस कदम पर जो हंगामा हो रहा है, वह बिल्कुल जायज और स्वाभाविक है। उन्होंने याद दिलाया कि 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद से ही भारतीय फ्रेंचाइजियों ने आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से पूरी तरह दूरी बना ली थी, लेकिन अब विदेश की लीग में उन्हें खरीदना पूरी तरह से समझ से परे हैगावस्कर ने अपने कॉलम में बेहद सीधा और कड़वा सच लिखते हुए कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को दी जाने वाली करोड़ों की फीस का एक बड़ा हिस्सा इनकम टैक्स के रूप में उनकी सरकार के पास जाता है। उसी टैक्स के पैसों से पाकिस्तान हथियार और बारूद खरीदता है, जिनका इस्तेमाल भारतीय सैनिकों और बेगुनाह नागरिकों के खिलाफ सीमा पर और देश के अंदर होता है। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा कि अगर कोई भारतीय संस्था या उसकी विदेशी कंपनी पाकिस्तानी खिलाड़ियों को पेमेंट कर रही है, तो वह अनजाने में ही सही, भारतीयों के हताहत होने में अपना योगदान दे रही है।

दक्षिण अफ्रीका से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साथ खेल चुकीं हैं भाइयों की ये जोड़ियां

नईदिल्ली,(ए.)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने पहले टी-20 अंतरराष्टीय मैच में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को हराते हुए सीरीज में बढ़त बनाई। इस मैच में प्रोटियाज टीम से जॉर्डन हरमन और रूबिन हरमन के रूप में 2 भाई साथ में खेले। जॉर्डन का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू मैच साबित हुआ। इसके साथ ही जॉर्डन और रूबिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के लिए एक साथ खेलने वाले भाइयों की 8वीं जोड़ी बन गई। आइए इन जोड़ियों के बारे में जानते हैं।

स्टेनली और टिप स्नूक भाईयों की पहली ऐसी जोड़ी थी, जिसने दक्षिण अफ्रीका के लिए खेला था। यह मैच 1907 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच था। ये मैच स्टेनली के लिए एकमात्र अंतरराष्टीय मैच साबित हुआ, जिसमें उन्होंने पहली पारी में 11वें नंबर पर बल्लेबाजी की। दूसरी पारी में उन्हें बल्लेबाजी नहीं मिली और न ही उन्होंने गेंदबाजी की। उनके छोटे भाई सिबली जॉन टिप ने इस मैच की दोनों पारियों को मिलाकर कुल 99 रन बनाए थे।

डैन और हर्बी टेलर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए एक साथ 2 टेस्ट मैच खेले थे। यह जोड़ी 1914 में डरबन में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में एक साथ मैदान पर उतरी थी। इस जोड़ी ने उस सीरीज के आखिरी 2 टेस्ट मैच एक साथ खेले, जो डैन के करियर के भी एकमात्र 2 अंतरराष्टीय मैच थे। डरबन टेस्ट की दूसरी पारी में, हर्बी और डैन ने 69 रनों की साझेदारी की थी।

रेजिनाल्ड और फिलिप हैंड्स ने दक्षिण अफ्रीका के लिए सिर्फ एक बार, 1914 में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच में एक साथ खेला था। यह बड़े भाई रेजिनाल्ड का दक्षिण अफ्रीका के लिए पहला और एकमात्र टेस्ट था, जिसमें उन्होंने दो पारियों में 0 और 7 रन बनाए थे। फिलिप ने इस टेस्ट में 83 और 49 रन बनाए थे। फिलिप ने उस टेस्ट सीरीज में बाकी के मैच भी खेले थे।

न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका: ईश सोढ़ी बची हुई टी-20 सीरीज से बाहर

नईदिल्ली,(ए.)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के स्पिनर ईश सोढ़ी दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ बची हुई टी-20 सीरीज से बाहर हुए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुताबिक, सोढ़ी अंगूठे की चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हुए हैं। बता दें कि पहले टी-20 को हारकर न्यूजीलैंड की टीम सीरीज में फिलहाल पिछड़ रही है। ऐसे में कीवी टीम के लिए सोढ़ी का बाहर होना बड़ा झटका है। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं ने उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को नहीं चुना है। हालांकि, लॉकी फर्ग्यूसन हैमिल्टन और ऑकलैंड में होने वाले दूसरे और तीसरे मैच के लिए टीम में शामिल हुए हैं। वह आखिरी 2 टी-20 के लिए उपलब्ध थे। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, ईश न्यूज़ीलैंड के लिए खेलने को लेकर बहुत जुनूनी हैं, और हम जानते हैं कि विश्व कप के बाद वह अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

सोढ़ी टी-20 अंतरराष्टीय में न्यूजीलैंड की ओर से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने अब तक 140 मैचों में 23.06 की औसत और 8.15 की इकॉनमी रेट के साथ 162 विकेट लिए हैं। इस प्रारूप में कीवी टीम में उनसे ज्यादा विकेट सिर्फ टिम साउथी (164) ने चटकाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध सोढ़ी ने 2 मैचों में 15.25 की औसत से 4 विकेट चटकाए हैं।

कोच वॉल्टर ने उम्मीद जताई कि उनकी टीम सीरीज में वापसी करेगी। उन्होंने आगे कहा, हमें पूरा भरोसा है कि लॉकी के साथ-साथ मिच और कोल के आने से, हमारे पास अगले 2 मैचों के लिए पर्याप्त बैकअप मौजूद है। न्यूजीलैंड ने इस सीरीज के लिए कई खिलाड़ियों को 2-3 मैचों के लिए चुना है।

मैंने हमेशा अपने को मशाल थामने वाले के तौर पर देखा : द्रविड़

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नमन समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित पूर्व कप्तान और मुख्य कोच कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट का हिस्सा रहना उनके लिए सम्मान की बात है। द्रविड़ के कोच रहते ही भारतीय टीम ने साल 2024 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था। वहीं साल 2023 में एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी।

बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने हमेशा अपनी भूमिका को बस एक मशाल थामने वाले के तौर पर देखा है। मैंने पिछली पीढ़ी से मशाल थामी। जिसमें पहले मैं एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहा था और फिर अपने काम को मैने मैच के तौर पर आगे बढ़ाया। द्रविड़ ने कहा, अपने समय मुझे भी योगदान देने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिला। मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि अगली पीढ़ी ने उस विरासत को सफलता पूर्वक

आगे बढ़ाया है। साथ ही कहा कि हमें जो सफलताएं मिली हैं उसका बहुत बड़ा श्रेय मौजूदा प्रबंधन, टीम और भारतीय क्रिकेट से जुड़े हर व्यक्ति को जाता है। इस खेल में हम सभी का अपना-अपना समय आता है और हमें अपना योगदान देना होता है। मैंने भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने को प्रयास किया है। मैं अपने से पिछली पीढ़ियों से प्रेरित रहा हूं और यह देखना सचमुच अद्भुत है कि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियां इस विरासत को और भी ऊंचे स्तर पर ले जा रही हैं।

भारतीय टीम के कप्तान और कोच पद को संभाल चुके द्रविड़ ने कहा कि यह अवॉर्ड पाना उनके लिए अत्यंत कृतज्ञता का क्षण था। यह अवॉर्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं। मेरा मतलब है कि मैं इस अवॉर्ड के पिछले विजेताओं के रास्ते चला, जो हमारे देश में इस खेल के सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। यह सच में वह लोग हैं जिन्हें मैंने अपना आदर्श माना है, जिनकी तारीफ की है, और यह सभी मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहे हैं।

विदेश समाचार

बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर ईरान का भीषण हमला, यूएई ने खोला एयर स्पेस

ब्रिटेन ने किया ईरान से व्यापक युद्ध में शामिल होने से इनकार, ट्रंप स्टारमर से नाराज

बगदाद,(ए.)। इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन और रॉकेट से हमले किए गए हैं, जिसे हमलों की शुरुआत के बाद से सबसे भीषण हमला बताया जा रहा है। खबरों के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान से मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण बंद किए गए अपने हवाई क्षेत्र को फिर से खोल दिया है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर के इस बयान से नाराजगी जताई है कि ब्रिटेन ईरान को लेकर किसी व्यापक युद्ध में शामिल नहीं होगा।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिडिल ईस्ट में चल रहे अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध ईरान ने इजराइल पर हमले और तेज कर दिए हैं। यहां तक कि ईरान ने पहली बार सेज्जिल बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है, जिसे डांसिंग मिसाइल भी कहते हैं। यह मिसाइल सॉलिड फ्यूल से चलती है, जिसकी रेंज 2,000 से 2,500 किलोमीटर तक है और हाई एल्टीट्यूड पर मैन्यूवर करके इजराइल के आयरन डोम जैसे डिफेंस को चकमा दे सकती है।

ईरान के आईआरजीसी ने इसे तेल अवीव और सेंट्रल इजराइल के मिलिट्री टारगेट्स पर दागा। कुछ मिसाइलें इंपैक्ट हुईं, जहां बिल्डिंग्स और गाड़ियों को नुकसान पहुंचा, लेकिन बड़े पैमाने पर मौतों की अभी कन्फर्म रिपोर्ट नहीं आई। इजराइल की डिफेंस ने कई मिसाइल्स को रोका, लेकिन हमला बड़ा एस्केलेशन माना जा रहा है।

शर्मनाक करतूत: पाकिस्तान ने आतंकी बताकर 400 मरीजों और आम लोगों की कर दी हत्या

काबुल,(ए.)। अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां नशा मुक्ति केंद्र के रूप में संचालित एक अस्पताल पर हुए हवाई हमले में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 400 हो गया है। अफ़गान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने मंगलवार सुबह पुष्टि की कि सोमवार देर रात हुए इस हमले ने 2,000 बेड की क्षमता वाले उमर एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल के एक बड़े हिस्से को मलबे में तब्दील कर दिया है। इस हमले में लगभग 250 अन्य लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि बचाव दल अभी भी इमारत में लगी आग बुझाने और मलबे से शवों को निकालने के कार्य में जुटे हुए हैं।

पाकिस्तानी पक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें झूठा और गुमराह करने वाला करार दिया है। पाकिस्तान का दावा है कि उसने केवल काबुल और नंगरहार प्रांत में स्थित सैन्य ठिकानों और आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया था। पाकिस्तानी सूचना मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों में तालिबान के तकनीकी उपकरणों और गोला-बारूद के गोदामों को सटीक निशाना बनाया गया, जिनका उपयोग पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ हो रहा था।

इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन अटैक, परिसर में लगी आग; बजने लगे सायरन

बगदाद (ए.)। इराक की राजधानी बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतावास पर मंगलवार को बड़ा हमला हुआ, जिसके बाद परिसर के अंदर आग लग गई। यह हमला उस समय हुआ जब दो विस्फोटक से लैस ड्रोन दूतावास के परिसर के भीतर गिर गए और उनके विस्फोट से आग भड़क उठी।यह घटना बगदाद के बेहद सुरक्षित माने जाने वाले ग्रीन जोन इलाके में स्थित संयुक्त राज्य दूतावास में हुई। एजेंसी के मुताबिक, इराक के गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि दोनों ड्रोन दूतावास की सुरक्षा सीमा के भीतर गिरते ही फट गए, जिससे परिसर के अंदर आग लग गई और धुआं बाहर से भी दिखाई देने लगा। हमले के दौरान पूरे परिसर में तुरंत सायरन बजने लगे, लेकिन दूतावास की सुरक्षा प्रणाली इन ड्रोन को रोकने में असफल रही। सूत्रों के मुताबिक, रक्षा प्रणाली आने वाले ड्रोन को इंटरसेप्ट नहीं कर सकी।हमले में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है, हालांकि आग लगने से दूतावास की इमारतों और अन्य सुविधाओं को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।सूत्रों के अनुसार, दूतावास पर सोमवार शाम से लेकर मंगलवार तड़के तक कई बार हमले किए गए। सामने आए वीडियो फुटेज में देखा गया कि एक ड्रोन दूतावास परिसर के बेहद करीब आकर फटा, जिससे यह संकेत मिलता है कि एक ही रात में कई बार सुरक्षा व्यवस्था को भेदा गया।बगदाद का ग्रीन जोन इलाका बेहद सुरक्षित माना जाता है। यहां इराकी सरकार की इमारतें, संसद और कई विदेशी दूतावास मौजूद हैं, जिनमें अमेरिकी दूतावास भी शामिल है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में यह इलाका कई बार रॉकेट और मोर्टार हमलों का निशाना बन चुका है।इसी बीच इराक के तेल मंत्रालय ने बताया कि सोमवार देर रात दक्षिणी इराक के मजनून तेल क्षेत्र को भी दो ड्रोन से निशाना बनाया गया। तेल मंत्रालय के प्रवक्ता साहिब बाजून के मुताबिक, एक ड्रोन टेलीकॉम टावर से टकराया, लेकिन उससे कोई नुकसान नहीं हुआ। वहीं दूसरा ड्रोन वहां काम कर रही एक अमेरिकी कंपनी के कार्यालयों को निशाना बनाकर गिराया गया।

अमेरिका खर्ग द्वीप की तेल पाइपलाइनों पर करेगा हमला, ट्रंप ने दी ईरान को चेतावनी

इस द्वीप में पाइपलाइनों, भंडारण और बड़े सुपरटैंकरों को संभालने की क्षमता

तेहरान,(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध थमता नजर नहीं आ रहा है। इस जंग के बीच खर्ग द्वीप चर्चा का केंद्र बना हुआ है, जो ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और खुद ट्रंप ने इसे ईरान का क्राउन ज्वेल बताया है। बीते दिनों अमेरिकी हमले में यहां मौजूद सैन्य ठिकानों को नष्ट करने का दावा ट्रंप ने किया था और अब उन्होंने फिर से इस आइलैंड को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका सेना यहां मौजूद तेल पाइपलाइनों पर हमला कर सकती है। अगर ऐसा होता है, तो ये ईरान के लिए बड़ा झटका होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर ईरान को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ईरान के खर्ग द्वीप पर स्थित तेल पाइपलाइनों पर हमला कर सकती है। ट्रंप ने ये भी कहा कि अमेरिका ने पिछले हमलों के दौरान जानबूझकर एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने से परहेज किया था। उन्होंने बताया कि हमने द्वीप पर हमला किया था और उसे तबाह कर दिया, जिसमें वहां मौजूद तेल भंडार वाले क्षेत्र को छोड़कर सब कुछ नष्ट हो गया है।

ट्रंप के मुताबिक खर्ग द्वीप पर मौजूद पाइपलाइनें छोड़ दी थी, हम ऐसा नहीं करना चाहते थे, लेकिन हमें ऐसा करना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह संयम आंशिक रूप से उस बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए था, जिसका उपयोग भविष्य में ईरान के पुनर्निर्माण के दौरान किया जा सकता है।

बता दें ईरान का खर्ग द्वीप इसका मुख्य तेल टर्मिनल और ऑयल एक्सपोर्ट का सेंटर है। वैश्विक बाजारों में देश के कच्चे तेल के लगभग 90फीसदी शिपमेंट को यहीं से संभाला जाता है। इसे ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है। फारस की खाड़ी में ईरानी दक्षिणी तट से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित यह द्वीप तेल पाइपलाइनों, भंडारण सुविधाओं और बड़े सुपरटैंकरों को संभालने की क्षमता रखता है और गहरे पानी के लोडिंग जेट्टी के जरिए अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से इसे जोड़ता है। ये ईरान सरकार के लिए करीब 78 अरब डॉलर की रेवेन्यू मशीन है, इस आय का एक बड़ा हिस्सा ईरान की सैन्य क्षमता पर खर्च होता है।

बता दें ट्रंप ने एक बार फिर अन्य देशों से होर्मुज स्ट्रेट को लेकर सहयोगी देशों से मदद की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम उन अन्य देशों को प्रोत्साहित करते हैं, जिनकी अर्थव्यवस्था इस समुद्री तेल रूट पर हमारी तुलना में कहीं ज्यादा निर्भर है, जबकि हमें इसके जरिए अपने तेल का सिर्फ 1फीसदी से भी कम प्राप्त होता है। जापान को 95फीसदी, चीन को 90फीसदी और कई यूरोपीय देशों को काफी मात्रा में यहां से तेल प्राप्त होता है। हम चाहते हैं कि वे होर्मुज के मामले में हमारी मदद करें। बता दें तमाम देशों ने ट्रंप के होर्मुज पर युद्धपोत भेजने के आग्रह को ठुकराकर उन्हें झटका दिया है।

जो नहीं कर सके कार्टर और रीगन वह ट्रंप ने कर दिखाया, यूएस के बने पहले राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि सेंट्रल कमांड ने ईरान के सबसे बड़े तेल टर्मिनल खर्ग आईलैंड पर भीषण हमला किया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, यूएस सेंट्रल कमांड ने मध्य पूर्व के इतिहास में सबसे शक्तिशाली बमबारी में ईरान के ताज का गहना कहे जाने वाले खर्ग द्वीप पर मौजूद हर लक्ष्य को तबाह कर दिया। इसके साथ ही ट्रंप ईरान के खर्ग द्वीप पर हमले का आदेश देने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए हैं। यहां तक कि 1979 के बंधक संकट के दौरान भी इस द्वीप पर हमला नहीं किया गया था। 1979 में इस्लामिक क्रांति के दौरान तेहरान स्थित अमेरिकी दूतावास के कर्मियों को बंधक बना लिया गया था। दो साल तक चले बंधक संकट के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इस द्वीप पर हमले करने से बचते रहे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद 1980 के दशक में ईरान और इराक के बीच युद्ध शुरू हो गया। इस दौरान कार्टर के उत्तराधिकारी रोनाल्ड रीगन ने अमेरिकी सेना को क्षेत्र उतारा, जिसने ईरानी जहाजों और मिसाइल बैटरियों को निशाना बनाया, लेकिन रीगन ने भी अपने पूर्ववर्ती की तरह ही खर्ग पर हमला नहीं

किया। 9 मार्च को जेपी मॉर्गन के एक नोट के हवाले से बताया कि आठ साल के युद्ध के दौरान इराकी सेनाओं ने खर्ग के कुछ टर्मिनलों और टैंकरों पर हमले किए थे, लेकिन यह ज्यादातर चालू हालत में रहे। हमलों के दौरान हुए नुकसान की मरम्मत जल्दी कर ली जाती थी।

ईरान के मुख्य तट से करीब 28 किमी की दूरी पर स्थित खर्ग आईलैंड देश का सबसे बड़ा तेल टर्मिनल है। यह द्वीप ईरान की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम है, क्योंकि यहां से देश के पूरे तेल निर्यात का करीब 90 फीसदी गुजरता है। इसकी खासियत द्वीप का गहरा तट है, जहां एक साथ कई सुपरटैंकर डॉक होते हैं और तेल लोड करके निर्यात के लिए निकलते हैं। ट्रंप ने कहा कि हमले द्वीप पर मौजूद सैन्य ठिकानों पर केंद्रित थे और तेल ढांचे को इससे दूर रखा गया था।

भगवान कृष्ण और माता रुक्मणी का मंगल परिणय की झांकी सजाई

आज खेली जाएगी फूलों की होली, कथा का भव्य रूप से किया जाएगा समापन

सीहोर(निप्र)। भगवान का नाम, सत्संग और भागवत कथा के श्रवण मात्र से समस्त पाप नाश होकर मोक्ष की प्राप्ति होती है। जन्म-जन्मांतर के पुण्य का उदय होने पर भागवत कथा सुनने को मिलती है, जिससे अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष की प्राप्ति होती है। भागवत कथा के श्रवण से बढ़कर इस संसार में कोई ज्ञान, मोक्ष का सरल साधन नहीं है। सभी प्रकार की मनोकामना सिद्ध होती है। उक्त विचार शहर के महिला घाट गंगेश्वर महादेव शनि मंदिर परिसर नदी चौराहे पर आयोजित भागवत कथा के छठवे दिवस ब्रह्मलीन श्री त्यागी महाराज के शिष्य महंत उद्धव दास महाराज ने कहे। मंगलवार को श्रीकृष्ण और रुकमणी का मंगल विवाह कराया गया। इस मौके पर भगवान श्रीकृष्ण के विवाह के बारे में कहा कि सत्य और प्रेम का मिलन ही भगवान का विवाह है।कथा में भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान के जन्म के छठे दिन ही अविद्या नामक पूतना का वध किया क्यो कि जन्म से ही यह अविद्या साथ होती है। परन्तु जहां भी श्री कृष्ण का चिंतन होता हैं वहां यह अविद्या कभी नहीं आती हैं। उन्होंने बताया कि भगवान के बारे में कहा जाता है कि वह माखन चुराते थे परन्तु भाव यह है कि भगवान गोपियों के आमंत्रण पर उनके मन के कपट को चुराने के लिए ही जाते थे। क्योंकि जहां तक मनुष्य के मन का कपट दूर नहीं होता तब तक वह भगवान से प्रीति नहीं लगा सकता हैं। इसलिए मनुष्य को पहले अपने मन के विकारों को दूर करना होगा। तब जाकर ही प्रभु की प्राप्ति हो सकती हैं। रुक्मिणी विवाह का वर्णन करते हुऐ कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सभी राजाओं को हराकर विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी को द्वारका में लाकर उनका विधिपूर्वक पाणिग्रहण किया। मौके पर आकर्षक वेश-भूषा में श्रीकृष्ण व रुक्मिणी विवाह की झांकी प्रस्तुत कर विवाह संस्कार की रस्मों को पूरा किया गया।

जायसवाल परिवार के औंकार प्रसाद जायसवाल एवं समस्त सनातन प्रेमी भक्तजन तत्वाधान में शहर के महिला घाट गंगेश्वर महादेव शनि मंदिर परिसर नदी चौराहे पर सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को कथा के अंतिम दिवस फूलों की होली खेली जाएगी। जायसवाल परिवार और समिति ने सभी श्रद्धालुओं से कथा का श्रवण करने की अपील की।

सीहोर(निप्र)। अग्रवाल महिला मंडल मंडल द्वारा सीहोर में परंपरा अनुसार गणगौर पर्व मनाया जा रहा है जिसमे आज गणगौर का स्वागत हेमा अग्रवाल जी के घर पर किया गया साथ ही अग्रवाल समाज की नहिलाओं की गोट जा आयोजन भी हुआ जिसमे गेम्स प्रतियोगिता सोलह श्रृंगार और रैंप वाक पर इतराती इठलाती बहू बेटियों ने भाग लिया।

सांस्कृतिक मंच दीप प्रज्वलित कर नव संवत्सर का करेगा स्वागत

सीहोर। नवसंवत्सर के अवसर पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर सीहोर सांस्कृतिक मंच सीहोर की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि नवसंवत्सर की पूर्व संध्या पर नगर के सब्जी मण्डी स्थित जगदीश मंदिर पर नववर्ष की पूर्व संध्या पर 18 मार्च दिन बुधवार को सायंकाल 6:00 बजे महिलाओं द्वारा दीप प्रज्वलित कर नव संवत्सर का स्वागत किया जाएगा। जहां सेंकड़ों की संख्या में श्रद्धालु एवं नागरिक दीप प्रज्वलित करेंगे। सीहोर सांस्कृतिक मंच के आशीष गुप्ता, श्रीमती प्रेमलता राठौर, श्रीमती सीमा सक्सेना ने कार्यक्रम में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम की योजना बनाई जा रही है। समिति की ओर से पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मिट्टी के दीपकों का उपयोग किया जाएगा। सीहोर सांस्कृतिक मंच के आशीष गुप्ता सहित समस्त सदस्यों एवं सीहोर सांस्कृतिक मंच सीहोर ने सभी से आग्रह किया है कि हिंदू नव वर्ष पर आप हम मिलजुल कर एक धार्मिक आयोजन के माध्यम से शहर में धार्मिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का संदेश दिया जा सके।

संत शिरोमणि सेन जी महाराज का जन्मोत्सव की तैयारी हेतु बैठक हुई आयोजित

सीहोर(निप्र)। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी संत शिरोमणि सेन जी महाराज का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। इस हेतु सर्व सेन समाज के अध्यक्ष तुलसीराम सेन काका जी के निवास पर बैठक आयोजित की गई जिसमें युवा सेन समाज के अध्यक्ष कमोद सेन, भारतीय सेन समाज के अध्यक्ष एल.एस.सेन एवं सर्व सेन समाज के बन्धु व युवा सेन समाज के सामाजिक बन्धु उपस्थित होकर अपने-अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये। धर्मेन्द्र सेन ने प्रस्तावित किया कि इस वर्ष जयंती समारोह के पश्चात निःशुल्क सामूहिक विवाह एवं सम्मेलन आयोजित किया जायेगा, जिसका पंजीयन सामाजिक बन्धु करा सकते हैं। सामूहिक विवाह में वर व वधु पक्ष के ठहरने की व भोजन आदि की व्यवस्था समाज द्वारा की जावेगी। अन्य व्यवस्था वर-वधु पक्ष को करना होगी। समाज के प्रवक्ता एल.एस.सेन ने बताया कि दिनांक 14 अप्रैल 2026 को सेन जन्मोत्सव सेन धर्मशाला गंज कुटि में मनाया जायेगा। इस मौके पर नगर के प्रमुख मार्गों से चलसमारोह भी निकाला जाना प्रस्तवित है। जिसमें सभी सामाजिक बन्धु महिलाऐं, बच्चे सहित सभी स्वजतीय बन्धु आमंत्रित हैं।

कलेक्टर-एसपी ने नर्मदा आवंलीघाट की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

सीहोर(निप्र)। भूतड़ी अमावस्या पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु नर्मदा आंवलीघाट पहुंचते है। आंवलीघाट पर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर बालागुरू के. तथा एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने आंवलीघाट पहुंचकर भूतड़ी अमावस्या के लिए की गई तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि घाट पर स्नान के लिए श्रद्धालु अधिक गहराई में न जाए, इसके लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं और निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि आंवलीघाट पर जिन अधिकारियों, पुलिस और होमगार्ड के जवानों तथा गोताखोरों की ड्यूटी लगाई गई है वै समय पर

अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहें और मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी करें तथा घाट पर निगरानी बनाए रखें। उन्होंने कहा सभी अधिकारी एक-दूसरे से सतत संपर्क बनाएं रखें और कंट्रोल रूम को भी निरंतर सक्रिय रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि घाट पर वॉटर बोट की भी उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाए और आंवलीघाट पर श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम बनाए रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि घाट पर आने वाले वाहनों की पर्याप्त पर्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि यातायात बाधित न हो। निरीक्षण के दौरान एसडीएम दिनेश सिंह तोमर, डिप्टी कलेक्टर प्रेमसिंह गौंड़ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नगर सेठ स्व. श्री गेंदालाल राय स्मृति लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता

सीहोर (निप्र)। शहर के बीएसआई मैदान पर नगर सेठ स्व. श्री गेंदालाल राय स्मृति लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के अंतर्गत हुए मैच में पीपीसीए अकादमी ने विदिशा को 108 रन के अंतर से हराया। इस मैच में निर्भय प्रजापति ने 34 गेंद पर 68 रन, आदित्य अग्रवाल ने 41 रन और सचिन वर्मा ने चार विकेट का शानदार प्रदर्शन किया।

आयोजन समिति की ओर से अतुल त्रिवेदी ने बताया कि पहले बल्लेबाजी करते हुए पीपीसीए क्रिकेट टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 212 रन बनाए थे। इसमें निर्भय ने 68 रन, आदित्य ने 41 रन, हार्दिक ने 34 रन, सचिन वर्मा ने 23 रन, दीपेश सेन ने 12 रन बनाए थे। वहीं विदिशा की ओर से गेंदबाजी करते हुए हर्षित-क्रिस ने दो-दो विकेट, उमंग, संस्कार और श्याम ने एक-एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदिशा टीम 19 ओवर में सिमट गई। इसमें कृष्णा ने 22 रन, राज ने 18 रन, हर्षित ने 30 रन और क्रिस 14 रन बनाए थे। इधर पीपीसीए की ओर से सचिन वर्मा ने चार विकेट, स्पनिल ने तीन विकेट, मानस ने दो विकेट और आदित्य ने एक विकेट हासिल किया।

खेत में खड़ी गेंहू की फसल पर प्रशासन ने भूमि का कब्जा देने के लिए चलवाया हार्वेटर

मामला कोर्ट में लंबित, किसान पहुंचा कलेक्ट्रेट

सीहोर (निप्र)। किसान परिवार रोता रहा दोराहा तहसीलदार ने नियम कानूनी को तांक पर रखकर किसान के विरोध के बावजूद खेत में खड़ी गेंहू की फसल पर हार्वेटर चलवा दिया। फसल काटने के बाद कब्जा दिलाने की कार्वाही की मांग को लेकर ग्राम खांईखेड़ा निवासी किसान ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर से गेंहू की फसल काटने तक कार्वाही रूकवाने की गुहार लगाई थी लेकिन प्रशासन ने किसान के सपनों पर पानी फैर दिया।पीड़ित किसान घनश्याम आत्मज देवी सिंह का कहना था कि खेत में उसके द्वारा हजारों रूपये खर्च कर गेंहू की फसल बोई गई थी। भूमि से संबंधित विवादित प्रकरण कोर्ट में भी लंबित है फिर राजस्व विभाग एक तरफा कार्वाही कैसे कर सकता है। वह कोर्ट का फैसला स्वीकार करने के लिए तैयार है।

बहनों द्वारा अवैध बंटान कराकर भूमि अपने नाम भूमि करा ली है जबकि उक्त भूमि पर के.सी.सी. लिया गया था एंव मोके पर जाये बगैर सीमांकन कराया गया था। धारा 250 का प्रकरण तहसीलदार दौराहा में विचाराधीन है और व्यवहार न्यायालय में भी वाद प्रस्तुत किया गया है। सुनवाई का अवसर दिये बगैर ही कब्जा दिलाये जाने की अवैध कार्यवाही की गई है।

फूड प्वाइजनिंग से भेड़ों की सामूहिक मृत्यु पर पुलिस नहीं कर रही है एफआईआर,मुआवजा भी नहीं मिला

सीहोर। फूड प्वाइजनिंग के चलते हुई दो सौ से अधिक भेंड़ों की मृत्यु के मामले में पार्वती थाना पुलिस के द्वारा अबतक संबंधित हल्दी विक्रेता के विरूध एफआइआर दर्ज नहीं की गई है तो वहीं पीड़ित पशु पालक को मुआवजा राशि भी नहीं मिली है। जबकी ग्राम पंचायत मैना के द्वारा भी विधायक गोपाल इंजीनियर के लिए लिखे पत्र में घटना की पुष्टी करते हुए पीड़ित की मदद करने की अनुशंसा की गई है। जनसुनवाई में मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर पीड़ित पशु पालक ने पशु चिकित्सा विभाग की पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने एफआइआर दर्ज कराने और पर्याप्त मुआवजा राशि उपलब्ध कराने की मांग कलेक्टर से की है।

गैस सिलेंडरों के सुचारु वितरण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

जिले में उपलब्ध है घरेलू गैस सिलेण्डरों का पर्याप्त स्टॉक

सीहोर (निप्र)। वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति के कारण आयात में हुई रुकावट को देखते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा सभी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं कि

एलपीजी की आपूर्ति एवं विपणन केवल घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को किया जाए। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रेशमा भामोर ने बताया कि ऑयल कंपनी द्वारा घरेलू परिवारों को नियमित रूप से सप्लाई सुनिश्चित् करने के लिए वितरण में और भी उपाय शुरू किये गए हैं, जैसे कि पिछली डिलीवरी के 25 दिन बाद ही रिफिल बुकिंग स्वीकार की जायेगी। इस कदम का उद्देश्य कालाबाजारी और अफरातफरी को रोकना तथा उपभोक्ताओं को नियमित रूप से समान वितरण सुनिश्चित करना है। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में जिले घरेलू गैस सिलेण्डरों का पर्याप्त स्टॉक एवं आपूर्ति बनी हुई है। ऑयल कंपनी द्वारा यह भी तय किया गया है कि चिकित्सालय एवं शैक्षणिक संस्थाओं के अलावा किसी और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं जैसे होटल, माल, बल्क एलपीजी का उपयोग करने वाले औद्योगिक क्षेत्र, फैक्ट्री आदि को कमर्शियल की सप्लाई नहीं की जाएगी।

आवासीय मैदान पर दो दिवसीय मैच में आर एस आई रेड ने ब्लू को 21 रन के अंतर से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के भोपाल नाके स्थित आवासीय मैदान पर आयोजित दो दिवसीय मैच में आर एस आई रेड ने ब्लू को 21 रन के अंतर से हराया। इस मैच में रेड की ओर से हरफनमौला प्रदर्शन करने वाले लोकेन्द्र को मैन आफ द मैच कोच अक्षय दुबाने और अजय चंदेल ने दिया।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दो दिवसीय मैच में पहली इंनिंग में आर एस आई ने 109 रन दस विकेट पर बनाए थे। इसमें लोकेन्द्र ने 36 रन और रोहित ने 17 रन की पारी खेली। इधर ब्लू की टीम 88 रन पर ढेर हो गई। दूसरी पारी में आर एस आई ब्लू की ओर से कुणाल ने 44 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली । पहली पारी के रनों की बढ़त के आधार पर आरसीआई रेड ने जीत दर्ज की। इसमें लोकेन्द्र ने छह विकेट और 45 रन बनाए थे।

आर एस आई क्रिकेट क्लब के कोच अक्षय दुबाने ने बताया कि आने वाली 25 तारीख से मैदान पर समर कैंप का आयोजन किया जा रहा हे, जिसमें इच्छुक खिलाड़ी भाग ले सकते है।

नरवाई नही जलाने के लिए जागरुक एवं उन्नतशील किसानों के माध्यम से किया जा रहा अन्य किसानों को प्रेरित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए कृषि विभाग द्वारा जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए अनेक ग्रामों के जागरूक और उन्नतशील किसानों से संपर्क किया जा रहा है और उन किसानों के सहयोग से अन्य किसानों को जागरूक किया जा रहा है। ग्राम के उन्नतिशील किसान कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर अपने गांव के किसानों को नरवाई जलाने के नुकसानों से अवगत करा रहे हैं और इसके वैकल्पिक तरीकों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इसके अलावा इस संबंध में कृषि विभाग के अमले द्वारा गांव-गांव में लाउडस्पीकर और पोस्टर-बैनर के माध्यम से भी किसानों को समझाइश दी जा रही है कि वे फसल अवशेष (नरवाई) को जलाने के बजाय वैज्ञानिक तरीकों से उसका प्रबंधन करें, जिससे भूमि की उर्वरता बनी रहे, पर्यावरण प्रदूषण से बचाव हो और कृषि उत्पादन भी अधिक हो। कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपील की जा रही है कि वे नरवाई न जलाएं और बताए गए वैकल्पिक उपायों को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

अवैध शराब के विरुद्ध पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई

फरवरी माह में 1,72,026 रुपये कीमत की मदिरा जब्त, 73 प्रकरण कायम कर की गई कार्रवाई

सीहोर (निप्र)। एसपी दीपक कुमार शुक्ला द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को जिले में अवैध शराब के विक्रय एवं परिवहन रोक लगाने और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके तहत पुलिस द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जिले की पुलिस द्वारा फरवरी माह में जिले के अनेक क्षेत्रों में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के लिए सघन चेकिंग की गई और कार्यवाहियां भी की गईं। पुलिस विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि फरवरी माह में अवैध मदिरा के विरूद्ध 73 प्रकरण कायम किए गए, जिनमें 1,72,026 रूपये कीमत की 455 लीटर मदिरा जब्त की गई और आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

सीहोर जिले में अचल संपत्तियों की बाजार दरों के पुनरीक्षण पर चर्चा

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। वर्ष 2026-27 के लिए अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य (गाइडलाइन दर) निर्धारण के संबंध में कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अंतर्गत जिले में भूमि एवं संपत्तियों की वर्तमान बाजार स्थिति की समीक्षा करते हुए विभिन्न नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों की दरों में संशोधन के प्रस्तावों पर विचार किया गया। बैठक में बताया गया कि केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा निर्माण लागत दरों का निर्धारण किया जाता है, जो पूरे प्रदेश में प्रभावी रहती हैं। विगत वर्षों में कई स्थानों पर बाजार मूल्य दरों में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई थी, जबकि अनेक स्थानों पर अधिक मूल्य पर दस्तावेज पंजीयन, नई कॉलोनियों का विकास तथा आसपास की कॉलोनियों की तुलना में दरों में अंतर जैसे कारण सामने आए हैं। इन्हीं आधारों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2026-27 की गाइडलाइन दरों में संशोधन के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। यह प्रस्ताव जिला पंजीयक एवं संबंधित उप पंजीयक कार्यालय में अवलोकन के लिए उपलब्ध है। इन प्रस्तावित दरों के संबंध में आमजन अपने सुझाव 03 दिवसों में कार्यालयीन समय में जिला पंजीयक एवं संयोजक जिला मूल्यांकन समिति जिला सीहोर के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उप जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार सीहोर, आष्टा, बुधनी, इछावर और दोराहा क्षेत्रों में विभिन्न नगरीय तथा ग्रामीण लोकेशनों की दरों में वृद्धि का सुझाव दिया गया है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com